शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

बुधवार 5 नवंबर 2025 E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 10 • अंक : 196 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में चार यूकेएनए उग्रवादी मारे गए

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मंगलवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान सशस्त्र समूह यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के चार उग्रवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना हेंगलेप उपखंड के अंतर्गत खानपी गांव में हुई। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि उग्रवादियों ने मणिपुर के चुराचांदपुर से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम में खानपी गांव में सेना की एक टुकड़ी पर गोलीबारी की। इसी दौरान सुरक्षा बलों ने चारों को मार गिराया।

तेलंगाना के रेणुकुंटा में ट्रैक्टर-बस की टक्कर, 20 से ज्यादा घायल

चेवेल्ला। तेलंगाना के चेवेल्ला में सोमवार को हुई बस हादसे के दूसरे दिन आज मंगलवार को करीमनगर में एक आरटीसी बस की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। हादसे में 20 यात्री घायल हो गए हैं। हादसे में ट्रैक्टर चालक को भी चोटें आईं। सभी घायलों को रेणुकुंटा के अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस धान की बोरियों से लदे ट्रैक्टर के पीछे चल रही थी।

जम्मू-कश्मीर के ठंडीकासी में हाईवे पर मिनी बस पलटी

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के ठंडीकासी में जम्मू-राजौरी-पुंछ नेशनल हाईवे पर एक मिनी बस पलट गई। हादसे में स्कूली छात्रों सहित 16 लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि मिनी बस सड़क से फिसल गई, जिससे कई यात्री घायल हो गए। स्थानीय लोग और पुलिस मदद के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।

तमिलनाडु में हुक्का बार पर लगा बैन न हटाने की मांग की

हैदराबाद। तमिलनाडु पीपुल्स फोरम फॉर टोबैको कंट्रोल ने राज्य सरकार से 2023 में लगाए गए हुक्का बार बैन को जारी रखने की मांग की है। फोरम ने कहा कि 'हर्बल' हुक्का पर छूट देना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसकी आड़ में तंबाकू या निकोटिन मिलाने की जांच करना मुश्किल है।

राष्ट्रबाण
अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए
सिर्फ 100 रुपए महीना
संपर्क : 7000427433

बिलासपुर में पैसेंजर ट्रेन-मालगाड़ी भिड़ी

कलेक्टर बोले- 4 मौतें, एसपी ने कहा- कोई मौत नहीं

रेलवे पीआरओ के पास जानकारी नहीं; 25 घायल

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। कोरबा पैसेंजर ट्रेन और एक मालगाड़ी के बीच जोरदार टक्कर हुई। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने 4 यात्रियों की मौत की पुष्टि की है। वहीं स्क्करजनेश सिंह ने कहा कि मौत नहीं हुई है, जबकि रेलवे पीआरओ के पास जानकारी नहीं है।

हादसा गटौरा-बिलासपुर रेलवे स्टेशन के पास लाल खदान इलाके में हुआ है। सूचना मिलते ही रेलवे और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। लोको पायलट फंसा रहा, जिसे निकाला गया है। रेस्क्यू टीमों ने अब तक कई यात्रियों को सुरक्षित निकाला है, जबकि गंभीर रूप से घायलों का ट्रेन के अंदर ही इलाज चल रहा है।

• बिलासपुर सीपीआरओ बोले-सीआरएस लेवल की इंक्वायरी होगी

बिलासपुर सीपीआरओ तुष्कर विलास राव का कहना है कि, कोरबा पैसेंजर ट्रेन ने आगे चल रही मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मारी है। यह घटना शाम करीब 4 बजे हुई है। घायलों का इलाज चल रहा है। सीआरएस लेवल की इन्क्वायरी होगी। इसके बाद ही हादसे की वजह साफ हो पाएगी। मौत और घायलों की जानकारी उनके पास नहीं है।

• एक की मौत हुई है: एसपी रजनीश सिंह

एसपी रजनीश सिंह ने बताया कि हादसे में चार लोग घायल हुए हैं। एक गंभीर रूप से घायल था, जिसकी मौत हो गई है। बाकी लोगों को सामान्य चोटें आई हैं। अभी भी बोगी में दो लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें बाहर निकाला जा रहा है।

• कलेक्टर संजय अग्रवाल ने की 4 लोगों की मौत की पुष्टि

कलेक्टर संजय अग्रवाल का कहना है कि गटौरा और बिलासपुर रेलवे स्टेशन के पास हादसा हुआ है। हादसे में 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। दो लोग और फंसे हुए उन्हें निकाला जा रहा है।

• प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- हादसे में 20 से 25 लोग घायल

तखतपुर के यात्री देवकुमार धुरी ने बताया कि कोटमीसुनार से बिलासपुर जाने के लिए आ रहा था। इसी बीच अचानक से ट्रेन में धक्का लगा। बाहर झांककर देखा तो पता चला कि इंजन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गया था। इस दौरान आनन-फानन में अपने सामान लेकर हम लोग नीचे कूद गए। फंसे लोगों को बाहर निकलने में मदद की। रेलवे के अधिकारी पहुंच रहे हैं। हम अपने घर जाने के लिए अब दूसरी व्यवस्था देख रहे हैं। हादसे में 20 से 25 लोग घायल हो गए हैं।

• ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त, यात्रियों को बाहर निकाल रही रेस्क्यू टीम

कोरबा पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेन के कई डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यात्रियों को बाहर निकालने में रेस्क्यू टीम लगी हुई है। मौके पर रेलवे और स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार राहत कार्य में जुटी रहीं।

हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन गोपीचंद हिंदुजा का निधन

भारत से ब्रिटेन तक 48 देशों में बिजनेस, अशोक लेलैंड को बड़ा ब्रांड बनाया

राष्ट्रबाण | लंदन | एजेंसी
rashtrabaan.in

हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन गोपीचंद पी हिंदुजा का सोमवार (4 नवंबर) को 85 साल की उम्र में लंदन में निधन हो गया। हिंदुजा कई हफ्तों से बीमार चल रहे थे और हॉस्पिटल में एडमिट थे। 2023 में बड़े भाई श्रीचंद हिंदुजा के निधन के बाद उन्होंने ग्रुप की कमान संभाली थी। गोपीचंद को 'जीपी' कहकर पुकारा जाता था। उन्होंने ग्रुप को ग्लोबल लेवल पर मजबूत बनाया था। साल 1940 का वो दौर, जब सिंध (अब पाकिस्तान का हिस्सा) में एक सिंधी व्यापारी परिवार में गोपीचंद परमानंद हिंदुजा का जन्म हुआ। गोपीचंद का बचपन मुंबई की गलियों में बीता, जहां उन्होंने जय हिंद कॉलेज से 1959 में ग्रेजुएशन किया। बाद में उन्हें वेस्टमिंस्टर यूनिवर्सिटी से ऑनरेरी डॉक्टरेट ऑफ लॉ और लंदन के रिचमंड कॉलेज से ऑनरेरी डॉक्टरेट ऑफ इकोनॉमिक्स मिला।

पीएम ने विमेंस टीम को डिनर के लिए बुलाया

मुंबई। 2 नवंबर को वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय महिला टीम की खिलाड़ी आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ डिनर करेंगी। टीम की एक गेंदबाज के कोच ने बताया कि पीएमओ ने एक मेल के जरिए महिला टीम को डिनर के लिए बुलाया है, हालांकि खेल मंत्रालय और बीसीसीआई ने इसकी पुष्टी नहीं की है। महिला टीम थोड़ी देर में मुंबई से दिल्ली के लिए रवाना होगी। टीम 6:30 बजे दिल्ली पहुंच जाएगी। टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एजेंसी से बातचीत में कहा- 'हम जल्द तय करेंगे कि प्रधानमंत्री मोदी को बतौर टीम क्या गिफ्ट दिया जाए। हम उन्हें जरूर कुछ न कुछ गिफ्ट देंगे, जर्सी या बैट, अभी तय नहीं किया है, लेकिन जल्द फैसला करेंगे।'

माई-बहिन योजना का एकमुश्त 30 हजार देंगे

सरकार बनी तो कर्मचारियों का 70 किमी के दायरे में तबादला : तेजस्वी

राष्ट्रबाण | पटना | एजेंसी
rashtrabaan.in

पटना में तेजस्वी यादव ने मंगलवार (4 नवंबर) को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऐलान किया कि अगर हमारी सरकार बनती है तो माई बहिन योजना के तहत एक साल की पूरी राशि 30 हजार रुपए एक साथ महिलाओं के खाते में भेजेंगे। माई बहिन योजना के तहत राजद ने महीने में ढाई हजार देने का वादा किया है। तेजस्वी ने कहा, 'सरकार बनने के बाद 14 जनवरी को हमारी सरकार एक साल का पैसा एक साथ देगी, ताकि महिलाओं को इसका फायदा हो सके। साथ ही जीविका दीदी कम्युनिटी मोबलाइजर को स्थायी करेंगे। उन्हें 2 हजार हर महीने देंगे।' पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहरसा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले में 3 जनसभाओं को संबोधित किया।

पीएम मोदी बोले- मुझे एनडीए की जीत पर कोई संदेह नहीं

छठी मइया का अपमान करने वालों की जमानत जब्त होगी, महिला बोली- 2025 में 225 सीटें जीतेंगे

राष्ट्रबाण | पटना | एजेंसी
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत बिहार की महिला कार्यकर्ताओं से संवाद किया। पीएम से बात करते हुए एक महिला ने कहा, 'बिहार में चुनाव है। लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह है।' इस पर पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने इस चुनाव को बेहद करीब से देखा है और एक बात मैं कह सकता हूं कि एनडीए इस चुनाव में भारी बहुमत से जीत रही है। मुझे एनडीए की जीत पर कोई संदेह नहीं है।' महिला संवाद के दौरान पीएम मोदी ने छठी मइया का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'इस चुनाव में ऐसी विजय दीजिए कि जिन्होंने छठी मइया का अपमान किया है, बिहार को जिन्होंने जंगलराज में रखा था, उनकी जमानत जब्त होनी चाहिए।'

इसी दौरान एक महिला ने कहा, 'हम विश्वास दिलाते हैं कि इस बार के चुनाव में बिहार रिकॉर्ड तोड़ेगा। 2025 के चुनाव में एनडीए को 225 सीटें आएंगी।' इस पर मोदी हंसने लगते हैं।

पीएम बोले- जुलूस निकालकर लोगों को मतदान के लिए ले जाइए

उन्होंने कहा, 'बिहार में एनडीए नेताओं की रैलियां रोज रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। सभा मंडल बहनों- बेटियों के नारों से गूंज उठता है। बिहार की महिला कार्यकर्ता मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत बहुत अच्छा काम कर रही हैं। मैंने आज सोचा कि सीधे आप से बात कर के चीजों को समझने की कोशिश करता हूं।' बेगूसराय से महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉक्टर रेखा ने बताया, 'मैं होम्योपैथ डॉक्टर हूं। महिलाओं और पुरुषों में बहुत उत्साह है। महिलाएं इस बार पुरुषों से ज्यादा मतदान करेंगी।' महिलाएं कहती हैं- 'डबल इंजन की सरकार ने हमारा जीवन बदल दिया है। मैंने बहुत महिलाओं से मुलाकात की है। वो हमारी योजनाओं के बारे में बताती हैं।'

भाजपा की महिला कार्यकर्ता शानदार काम कर रही हैं

प्रधानमंत्री ने कहा, 'इस चुनाव में मुझे जहां-जहां जाने का मौका मिला और जब जब कार्यकर्ताओं से बात करने का अवसर मिला, मैंने देखा इस बार बिहार का कार्यकर्ता जी-जीन से जुटा हुआ है। आप सभी बहुत परिश्रम कर रहे हैं। हर रैली पहले वाली रैली का रिकॉर्ड तोड़ रही है और उसमें भी हमारी बहनें-बेटियां बहुत बड़ी संख्या में आ रही हैं।' उन्होंने कहा, 'बिहार भाजपा की महिला कार्यकर्ताएं 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' संकल्प के साथ बहुत शानदार काम रही हैं।'

इस बार पिछले 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ेंगे

पीएम ने कहा, 'इस चुनाव में ये पक्का हो चुका है कि एनडीए की भारी बहुमत से विजय हो रही है। आज बिहार में जो विकास हो रहा है, वो गरीब, दलित, महादलित, पिछड़ा, अति-पिछड़ा, सभी के मन में बस गया है। बिहार के लोग मन बना चुके हैं कि इस बार एनडीए की जीत, पिछले 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ देगी। वही जंगलराज वालों को अब तक की सबसे करारी हार मिलेगी। बिहार का विकास एनडीए ही कर सकती है।'

मोदी बोले- जिन्होंने छठी मइया का अपमान किया उनकी जमानत जब्त कीजिए

प्रधानमंत्री ने कहा, 'इस चुनाव में ऐसी विजय देनी है कि जिन्होंने झूठ बोला है, छठी मइया का अपमान किया है, बिहार को जिन्होंने जंगलराज में रखा था, उनकी जमानत जब्त होनी चाहिए।

सहमति से बने संबंधों में पॉक्सो का हो रहा दुरुपयोग, सुप्रीम कोर्ट ने जताई गहरी चिंता

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के दुरुपयोग पर चिंता जताई है। अदालत ने मंगलवार को कहा कि वैवाहिक विवादों और किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों के मामलों में पॉक्सो का दुरुपयोग किया जा रहा है। न्यायालय ने लड़कों और पुरुषों में इन कानूनों के संबंध में जागरुकता फैलाने की जरूरत पर जोर दिया। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बलात्कार के खिलाफ दंडात्मक प्रावधानों और पॉक्सो अधिनियम के बारे में लोगों को संवेदनशील बनाने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

पीठ ने मौखिक रूप से कहा, 'हम एक बात कहना चाहेंगे। वैवाहिक विवादों के और किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों से जुड़े मामलों में पॉक्सो अधिनियम का दुरुपयोग किया जा रहा है। हमें लड़कों और पुरुषों में कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरुकता फैलानी चाहिए।' न्यायालय ने जनहित याचिका पर सुनवाई 2 दिसंबर तक स्थगित कर दी और कहा कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इस मामले में जवाब दाखिल नहीं किया है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद हर्षद पोंडा की ओर से दायर याचिका पर केंद्र, केंद्रीय शिक्षा और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालयों तथा केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को नोटिस जारी किए थे। पोंडा ने कहा कि लोगों को बलात्कार से संबंधित कानूनों और निर्भया मामले के बाद ऐसे कानूनों में हुए बदलाव के बारे में जानकारी देने की जरूरत है।

ई-स्पोर्ट्स गेम्स के नाम पर ऑनलाइन जुआ चलाने वालों पर एक्शन लेने को कहा

ऑनलाइन जुआ-सट्टा मामला, सुप्रीम कोर्ट ने जवाब मांगा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ऑनलाइन गेमिंग कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने सभी याचिकाओं पर सरकार से विस्तृत जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- हम चाहते हैं कि केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल जवाब की कॉपी याचिकाकर्ताओं के वकीलों को पहले से दे दें। ताकि वे भी जल्द से जल्द अपना जवाब दाखिल करें।

बेंच ने एक शतरंज खिलाड़ी की याचिका पर भी सुनवाई की। इसपर सरकार को निर्देश दिया कि ई-स्पोर्ट्स गेम्स की आड़ में ऑनलाइन जुआ-सट्टेबाजी चलाने वाले प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करें। मामले में सभी याचिकाकर्ताओं की मांग है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ प्लेटफॉर्म को बैन किया जाए। प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के तहत देश में रियल मनी गेमिंग पर बैन लगाया जाएगा। यह बिल 20 अगस्त को लोकसभा और 21 अगस्त को राज्यसभा से पास हुआ था। 22 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद अब यह कानून बन गया है।

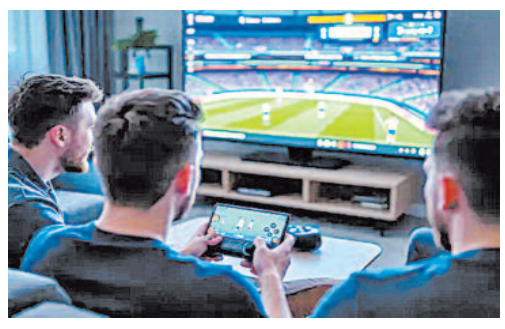

8 सितंबर को सभी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर की मंजूरी

8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका को मंजूरी दी थी जिसमें प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को तीन हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की गई थी ताकि अलग-अलग फैसलों से बचा जा सके।

ऑनलाइन जुआ-सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म पर रोक लगाने की मांग

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सेंटर फॉर अकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टमिक चेंज (ट्रस्ट) और शौर्य तिवारी की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें सरकार को सोशल और ई-स्पोर्ट्स गेम्स की आड़ में चलने वाले ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म पर रोक लगाने के निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में दावा किया गया है कि ये ऐप्स पूरे देश में बड़े पैमाने पर सामाजिक और आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं।

चीन ने लॉन्च की खतरनाक मिसाइल

राष्ट्रबाण

Mach-5 की गति के साथ बदल लेती है आकार, लगे हैं अनोखे पंख

बीजिंग. चीन तकनीक के मामले में दुनिया के सबसे अग्रणी देशों में शामिल है. बात हथियारों की करें तो इस क्षेत्र में भी चीन ने अपना लोहा मनवाया है. चीन ने अब कुछ ऐसा किया है जो चौंकाने वाला है. चीन ने बेहद उन्नत फ्यूचरिस्टिक सैन्य टेक्नोलॉजी का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है जो एक हाइपर-सोनिक मिसाइल का प्रोटोटाइप है. मॉर्फिंग हाइपरसोनिक वाहन के प्रोटोटाइप का परीक्षण की खास बात यह है कि ये मिसाइल उड़ान के दौरान अपना आकार बदल सकती है.

तकनीकी तौर पर क्यों कठिन है ये काम?

तकनीकी तौर पर इस तरह की मिसाइल को नियंत्रित करना बेहद कठिन है. हवा का घर्षण की वजह से मिसाइल की ऊपरी सतह का तापमान 2,000C से भी ज्यादा गर्म हो सकत है. जरा सी भी कंपन मिसाइल को नष्ट कर सकता है. चीन ने सुपर-ट्विस्टिंग स्लाइडिंग मोड कंट्रोल नाम के बेहद उन्नत कंप्यूटर प्रोग्राम का इस्तेमाल करके इस समस्या का समाधान निकाला है. यह स्मार्ट सिस्टम पंखों की गति को पूरी तरह से नियंत्रित करता है, जिससे किसी भी तरह के हानिकारक कंपन या नियंत्रण की कमी को रोका जा सकता है. चीनी वैज्ञानिकों की टीम ने परीक्षणों के ज़रिए इस सिस्टम के काम करने की पुष्टि की है.

'बदल जाएगी दुनिया की सैन्य रणनीति': विशेषज्ञों का मानना है कि इस नए डिजाइन से चीन ऐसे हथियार बना सकेगा जो लंबी दूरी से विमान-वाहक पोत जैसे बड़े लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम होंगे. चीन की ये सफलता वैश्विक सैन्य तकनीक में एक नया और चुनौतीपूर्ण मानक स्थापित करने में सक्षम होगी.

सबसे अलग और खतरनाक है मिसाइल

चीन की यह हाइपरसोनिक मिसाइल आवाज की गति से पांच गुना तेज यानी Mach-5 रफ्तार पर उड़ते हुए आकार बदल सकती है. यह क्षमता मिसाइल को असाधारण तरीके से घातक बना देती है. ऐसा इस वजह से है क्योंकि दुनिया की सबसे एडवांस मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए भी इसे पकड़ना लगभग असंभव होगा.

अनोखी है मिसाइल की डिजाइन

चीन की इस नई हाइपर-सोनिक मिसाइल को अनोखे तरीके से डिजाइन किया गया है. इस मिसाइल में पीछे हटने वाले पंखों का एक जोड़ा शामिल है. जब मिसाइल अधिकतम स्पीड पर उड़ान भरती है, तो ये पंख अंदर चले जाते हैं जिससे हवा का घर्षण कम होता है और गति बढ़ जाती है. हमले के दौरान पंख बाहर निकल आते हैं जिससे यह तीखा मोड़ ले सकती है और अचानक ऊंचाई में भी बदलाव कर सकती है. ऐसा होने से इसे रोकना बेहद मुश्किल हो जाता है.

ट्रंप ने नाइजीरिया को धमकाया तो चीन ने जताया विरोध

राष्ट्रबाण

कहा- यह मनमानी ठीक नहीं

बीजिंग. चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाइजीरिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी का कड़ा विरोध जताया है. चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि बीजिंग नाइजीरियाई सरकार द्वारा अपने लोगों को राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप विकास पथ पर ले जाने के लिए उसका समर्थन करता है. ट्रंप ने नाइजीरियाई सरकार पर देश में रहने वाले ईसाइयों के धार्मिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था.

माओ निंग ने कहा, 'एक व्यापक रणनीतिक साझेदार के रूप में, चीन नाइजीरिया सरकार का दृढ़ता से समर्थन करता है.' उन्होंने जोर देकर कहा, 'चीन किसी भी देश द्वारा धर्म या मानवाधिकार के बहाने अन्य राष्ट्रों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का विरोध करता है. हम मनमाने प्रतिबंधों और बल प्रयोग की धमकियों का भी विरोध करते हैं.'

दूसरी ओर, वेनेजुएला के चीन से मिसाइलें और ड्रोन खरीदने की खबरों पर माओ निंग ने कहा कि चीन ड्रग कार्टेल के नाम पर बल प्रयोग का विरोध करता है. क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के 12 हमलों के बाद वेनेजुएला की यह मांग सामने आई है, जहां नावों पर ड्रग तस्करी के संदेह में हवाई हमले किए गए. चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा, 'बीजिंग अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने का समर्थन करता है ताकि सीमा-पार अपराधों से निपटा जा सके, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ताकत के दम पर डराने-धमकाने का विरोध करता है. हम लैटिन अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र में शांति व स्थिरता को नुकसान पहुंचाने वाली अमेरिकी कार्रवाइयों का समर्थन नहीं करते.'माओ निंग ने जोड़ा कि चीन अन्य देशों के जहाजों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई का विरोध करता है, जो उचित व आवश्यक सीमाओं से आगे जाते हैं. उन्होंने कहा, 'हम आशा करते हैं कि अमेरिका द्विपक्षीय व बहुपक्षीय कानूनी ढांचे के भीतर रहकर ही दूसरे देशों की जहाजों पर कार्रवाई करेगा.'

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि यदि नाइजीरिया सरकार ईसाइयों की हत्या की अनुमति देती रही, तो अमेरिका तत्काल सभी सहायता और सहयोग बंद कर देगा तथा इस्लामी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई कर सकता है. ट्रंप की धमकी पर टिप्पणी के लिए पूछे जाने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया से कहा- नाइजीरिया के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अमेरिकी दावे वास्तविकता से मेल नहीं खाते .ना-इजीरिया की सरकार ने एक बयान में कहा कि वह आतंकवाद से लड़ने, अंत-रधार्मिक सद्भाव बढ़ाने और सभी नागरिकों के जीवन व अधिकारों की रक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है.

फास्ट ट्रैक

'हमास से जुड़े ग्रुप से फंडिंग ली'

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली.फिलिस्तीनी-अमेरिकी एक्टिविस्ट लिंडा सरसूर ने दावा किया है कि काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशन्स (CAIR) ने जोहरान ममदानी के न्यूयॉर्क सिटी मेयर इलेक्शन कैंपेन को मुख्य रूप से फंड किया है. CAIR फिलिस्तीन के हथिया-रबंद समूह हमास से कथित संबंधों को लेकर अमेरिकी संसद, कांग्रेस की जांच के घेरे में है. ममदानी डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार हैं जो न्यूयॉर्क सिटी मेयर इलेक्शन की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं. चुनाव के नतीजे 4 नवंबर को घोषित किए जाने हैं. सरसूर डेमोक्रेट उम्मीदवार की राजनीतिक मार्गदर्शक भी हैं. द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार सरसूर ने कहा कि ममदानी के राजनीतिक उभार में उन्होंने और हमास से जुड़े CAIR एनजीओ ने अहम भूमिका निभाई. रिपोर्ट के मुताबिक, सरसूर ने CAIR फंडेड यूनिटी एंड जस्टिस फंड PAC का नाम लिया और इसे 'न्यूयॉर्क में प्रो-जोहरान सुपर PAC को दान देने वाला सबसे बड़ा डोनर' बताया.

'महाभारत की रणभूमि में कोई भाई नहीं सिर्फ शत्रु होता है'

राष्ट्रबाण

तेजप्रताप यादव का तेजस्वी पर निशाना

राघोपुर. तेजप्रताप यादव और तेजस्वी यादव के बीच की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता अब खुलकर 'महाभारत' का रूप ले चुकी है. तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर में तेजप्रताप यादव की लगातार सक्रियता और उनके तीखे बयानों ने इस सियासी जंग को और गर्मा दिया है.

लाठी गाड़कर दिया संदेश, 'असली यादव की लाठी'

तेजप्रताप यादव ने अपने अंदाज़ में राघोपुर में एक लाठी गाड़ दी, जिसे उन्होंने 'तेलपीलावन लाठी' बताया. उन्होंने मंच पर लाठी घुमा-घुमाकर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया और दावा किया कि यह असली यादव का लाठी है. राघोपुर में लगातार दौरा करने पर उन्होंने तेजस्वी पर हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी को महुआ (उनका पूर्व क्षेत्र) नहीं जाना चाहिए था. उन्होंने चुनौती भरे अंदाज़ में कहा, वो एक बार गया तो हम राघोपुर में दो-दो बार आ गए.

'इस रणभूमि में कोई भाई-भतीजा नहीं, सिर्फ शत्रु'

राघोपुर में अपने ठेठ अंदा में जनता को संबोधित करते हुए तेजप्रताप यादव ने परिवार की लड़ाई को महाभारत की रणभूमि बताया. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, अब इस महाभारत की रणभूमि में कोई भाई-भतीजा नहीं होता, सिर्फ शत्रु होता है .इसके बाद, उन्होंने एक गीता का श्लोक पढ़ते हुए अपने बयान को धार्मिक रंग दिया. उन्होंने कहा, धर्म का स्थापना करना है, धर्म गलत लोगों के बीच चला गया है. धर्म की स्थापना के लिए कृष्ण ने राघोपुर में अवतार लिया है. उन्होंने तेजस्वी यादव पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए चेतावनी दी, कृष्ण का बात नहीं मानेगा और जयचंद के बात में रहेगा तो गड्ढा में गिरेगा.

'अगर हमारे वोट बंटे तो बिहार में उनकी सरकार बन जाएगी'

किशनगंज की चुनावी रैली में सपा सांसद इकरा हसन ने मुस्लिम वोटर्स को चेताया

राष्ट्रबाण

किशनगंज. यूपी के कैराना से सपा सांसद इकरा हसन ने बिहार के किशनगंज में मुस्लिम बहुल आबादी को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया है. उन्होंने जनता को खबरदार करते हुए कहा, अगर हमारे वोट बटेंगे तो उनकी सरकार बन जाएगी. इकरा हसन ने 'डबल इंजन की सरकार' को 'नापाक सरकार' बताते हुए जनता से एकजुट होकर महाग-ठबंधन के प्रत्याशी को वोट करने की अपील की.

सांसद इकरा हसन ने मंच से बोलते हुए कहा कि अगर वोटों का बिखराव हुआ तो बिहार में बीजेपी की सरकार बन जाएगी. उन्होंने आगे कहा कि इस बार बीजेपी, नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी, बल्कि खुद मुख्यमंत्री की सीट कब्जा लेगी. इकरा हसन ने जोर देकर कहा कि बिहार से अबकी बार जो संदेश देशभर में जाएगा, उससे पूरे देश में बदलाव आएगा. इस दौरान उन्हें सुनने के लिए काफी तादाद में लोग मैदान में मौजूद थे. इकरा हसन ने जनता के मुद्दों को भी उठाया. उन्होंने कहा कि चाहे वक्फ का मुद्दा हो, तरक्की का, या फिर रोजगार का मुद्दा हो, इन सबके लिए वे डबल इंजन की 'नापाक सरकार' से लड़ते हैं. उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में अखिलेश यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सभी की भूमिका रहती है.

धार्मिक कट्टरपंथ से बचने भारत आया था बांग्लादेशी नास्तिक ब्लॉगर

राष्ट्रबाण

पुलिस ने किया गिरफ्तार, यह है वजह

कोलकाता.पश्चिम बंगाल पुलिस ने एक बांग्लादेशी लिबरल ब्लॉगर को गिरफ्तार किया है. जांच में पता चला कि वो लंबे समय से बिना किसी वैध दस्तावेज के पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के कल्याणी इलाके में रह रहा था. बताया जा रहा है कि उसने अपने पड़ोस में अपनी पहचान और राष्ट्रीयता छिपाने की कोशिश की थी. लेकिन कल्याणी पुलिस स्टेशन (रानाघाट पुलिस जिला) को गुप्त सूत्रों से इस व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली थी. एक हफ्ते की जांच के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया.

साल 2017 में भारत आया था : एक अधिकारी ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि एक बांग्लादेशी नागरिक जिसकी पहचान मुफ्ती अब्दुल्लाह हफीज अल मसूद के रूप में हुई है. वो बांग्लादेश के पिरोजपुर जिले के नजीरपुर इलाके का रहने वाला है और वर्तमान में पश्चिम बंगाल के कल्याणी के गोकुलपुर इलाके में किराए के मकान में रह रहा है.

इसलिए दर्ज हुआ केस

पुलिस ने बताया कि देश में बिना वैध वीजा के लंबे समय तक रुकने के आरोप में उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. सोमवार को उसे स्थानीय अदालत में पेश किया गया जहां से उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया. फिलहाल जांच जारी है. प्रारंभिक जांच में ये भी सामने आया है कि मसूद पहले बांग्लादेश में एक फ्री-थिंकिंग ब्लॉगर था जो अपने यूट्यूब चैनल पर नास्तिकता और ईश्वर के अस्तित्व पर बात करता था. धार्मिक कट्टरपंथियों के विरोध और धमकियों से बचने के लिए वो 2018 में वैध वीजा पर भारत आया था. लेकिन 2020 में उसका वीजा खत्म होने के बाद वो छिपकर राज्य के अलग-अलग इलाकों में घूमता रहा. हाल ही में वो कल्याणी थाने के क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहा था. पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी.

योगी ने गोरखपुर में सैमसंग इनोवेशन कैंपस में युवाओं को सम्मानित किया

राष्ट्रबाण

गोरखपुर. भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपनी प्रमुख टेक एजुकेशन पहल, सैमसंग इनोवेशन कैंपस (एसआईसी), में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. इसके तहत गोरखपुर में 1600 युवा प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया.

योगी बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह सभागार में आयोजित इस समारोह में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित थे, जिन्होंने मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा और डिजिटल समावेशन में इस पहल के योगदान की सराहना की. भारत सरकार के स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप, सैमसंग इनोवेशन कैंपस युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), बिग डेटा, और कोडिंग व प्रोग्रामिंग में आवश्यक कौशल से लैस करता है. सैमसंग इनोवेशन कैंपस कंपनी का प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम है और फिलहाल यह 10 राज्यों में फैला हुआ है. इसका लक्ष्य 2025 में देश भर में 20,000 छात्रों को कौशल प्रदान करना है – जो पिछले वर्ष की तुलना में इसमें छह गुना की वृद्धि दिखाता है. राष्ट्रीय स्तर पर, इस पहल में 44% महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली है, जो समावेशी और समान कौशल पर सैमसंग के ध्यान को दर्शाती है. उत्तर प्रदेश में, इस वर्ष 5000 छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, और यह राष्ट्रीय लक्ष्य का लगभग 25% है. इसी के साथ यूपी डिजिटल सशक्तिकरण और नौकरी के लिए तैयार प्रतिभा को बढ़ावा देने में अग्रणी के रूप में स्थापित हो रहा है.

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, जेबी पार्क ने कहा, ''सैमसंग का मानना है कि भारत का भविष्य यहाँ के युवाओं पर निर्भर करता है. सैमसंग इनोवेशन कैंपस के ज़रिए, हम युवाओं को सिर्फ टेक्निकल ज्ञान ही नहीं दे रहे हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, नई सोच, रचनात्मकता और मुश्किलों को हल करने की क्षमता को भी बढ़ा रहे हैं. ये गुण उन्हें एक अच्छा करियर बनाने और देश के डिजिटल बदलाव में मदद करेंगे. इस साल हम 10 राज्यों और हज़ारों क्लासरूम में जो तेज़ी देख रहे हैं, वह दिखाता है कि भारत में सीखने और आगे बढ़ने की कितनी ज़बरदस्त इच्छा है.

युवाओं के कौशल और सपनों में निवेश

हमारे युवा उत्तर प्रदेश की तरक्की का आधार हैं, और यही भारत की विकास कहानी को आगे बढ़ा रहे हैं. मुझे बहुत खुशी है कि सैमसंग जैसी बड़ी अंतर्राष्ट्रीय कंपनियाँ इन युवाओं के कौशल और सपनों में निवेश कर रही हैं. जब हमारे छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, और IoT जैसी नई टेक्नोलॉजी सीखते हैं, तो वे आने वाले कल के उद्योगों की अगुवाई करने के लिए तैयार होते हैं. यह पहल केवल टेक्नोलॉजी सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे युवाओं के लिए रोजी-रोटी, आत्मनिर्भरता और सम्मान के नए रास्ते खोलती है. इस कार्यक्रम के ज़रिए, सैमसंग उत्तर प्रदेश को हुनरमंद लोगों और डिजिटल क्षेत्र में बेहतरीन बनाने के हमारे लक्ष्य का समर्थन करता है.

नेपाल में पहाड़ पर हिमस्खलन

3 की मौत

राष्ट्रबाण

काठमांडू. नेपाल के पूर्वोत्तर स्थित यालुंग री पर्वत पर हुए एक भीषण हिमस्खलन में एक विदेशी पर्वता-रोहियों सहित कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य लापता हैं. हिमस्खलन के बाद बागमती प्रांत के दोलखा जिले की रोलवालिंग घाटी स्थित 5,630 मीटर ऊंचे पर्वत के आधार शिविर में 5 अन्य लोग घायल हो गए हैं. पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान कुमार महतो ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे हुए हिमस्खलन में एक फ्रांसीसी पर्वतारोही और 2 नेपाली गाइड की मौत हो गई है.

अभियान दल में शामिल थे 12 लोग

स्थानीय मीडिया ने शुरूआत में मृतकों की संख्या 7 बताई थी. अभियान दल में कुल 12 लोग थे जिसमें 7 नेपाली गाइड और 5 विदेशी पर्वतारोही थे. घटना के बाद से कनाडा, जर्मनी और इटली के नागरिकों सहित 4 विदेशी पर्वतारोही लापता हैं और बचाव अभियान जारी है. घायल हुए 5 नेपाली नागरिकों को वहां से निकाल लिया गया है.

बेस कैंप तक पहुंची बचाव टीम : माउंट यालुंग री के 4,900 मीटर (16,070 फुट) की ऊंचाई पर स्थित बेस कैंप पर सोमवार सुबह हिमस्खलन हुआ था. बर्फीले तूफान के कारण बचाव सोमवार को घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाया था.

हर उर्दू बोलने वाला पाकिस्तानी नहीं होता

SIR के विरोध में बोलीं ममता बनर्जी

राष्ट्रबाण

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में टीएमसी ने आज मेगा रैली का आयोजन किया. इस रैली में ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने नेतृत्व किया. इस रैली में सीएम ममता बनर्जी ने SIR के खिलाफ जनता को संबोधित किया. ममता ने कहा कि यह प्रक्रिया BJP द्वारा निर्देशित है, जो अल्पसंख्यकों और वैध मतदाताओं को बाहर करने का प्रयास है. उन्होंने अपील की कि कोई भी वैध नागरिक 'बाहरी' न ठहराया जाए.

फेरीवाले या प्रवासी मजदूर डरे हुए- ममता

रैली में बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि, 'मैं सबसे पहले अपने सभी धार्मिक नेताओं का धन्यवाद करना चाहती हूं, उन्होंने हमारे साथ हर कदम पर साथ दिया है. बहुत सारे असंगठित फेरीवाले या प्रवासी मजदूर डरे हुए हैं. सिर्फ इसलिए कि वो बांग्ला बोलते हैं.

नई रिसर्च क्या आने वाली है आफत?, हो जाये सावधान

प्रशांत महासागर के नीचे धरती 2 टुकड़ों में बंट रही है

राष्ट्रबाण

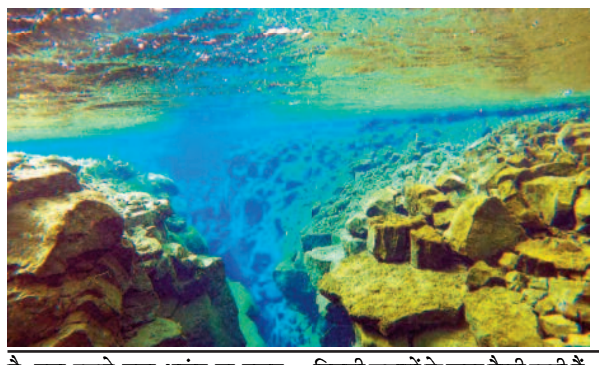

नई दिल्ली.पृथ्वी की सतह एक विशाल चट्टान का टुकड़ा नहीं है, बल्कि कई बड़े-बड़े टुकड़ों से बनी है. ये टुकड़े जिन्हें टेक्टॉनिक प्लेट्स कहते हैं,वो धीरे-धीरे घूमते रहते हैं. कभी-कभी ये एक-दूसरे से टकराते हैं. अलग होते हैं या एक के नीचे दूसरा चला जाता है. लेकिन वैज्ञानिकों को हाल ही में एक चौंकाने वाली खोज हुई है.

प्रशांत महासागर के नीचे कनाडा के वैंकूवर द्वीप के पास एक टेक्टॉनिक प्लेट दो हिस्सों में बंट रही है. यह जगह कैस्केडिया सबडक्शन जोन कहलाती है. नई रिसर्च से पता चला है कि यह जोन अपनी मौत के करीब पहुंच रहा है. क्या इससे बड़ा भूकंप या प्रलय आएगा? यह रिसर्च साइंस एडवांसेज जर्नल में छपी है.

टेक्टॉनिक प्लेट्सः पृथ्वी की त्वचा कैसे काम करती है?

पृथ्वी की ऊपरी सतह यानी क्रस्ट कई प्लेट्स में बंटी है. ये प्लेट्स गर्म, अर्ध-पिघली चट्टानों के ऊपर तैरती रहती हैं. ये प्लेट्स आपस में जुड़ी हुई हैं लेकिन धीरे-धीरे हिलती रहती हैं. कभी ये रगड़ खाती हैं. कभी अलग होती हैं. सबसे खतरनाक प्रक्रिया है सबडक्शन—जब एक प्लेट दूसरी के नीचे सरक जाती है. इससे ज्वालामुखी फूटते हैं. भूकंप आते हैं. कैस्केडिया सबडक्शन जोन प्रशांत महासागर के उत्तरी हिस्से में है. यहां चार प्लेट्स मिलती हैं: एक्सप्लोरर, जुआन डे फ्यूका, पैसिफिक और नॉर्थ अमेरिकन. एक्सप्लोरर और जुआन डे फ्यूका प्लेट्स नॉर्थ अमेरिकन प्लेट के नीचे सरक रही हैं. यह जगह बहुत जटिल है.लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक ब्रैंडन शक कहते हैं कि सबडक्शन जोन शुरू करना ट्रेन को पहाड़ी पर चढ़ाने जैसा है—बहुत मेहनत लगती है. लेकिन एक बार शुरू हो जाए, तो ट्रेन पहाड़ से नीचे दौड़ने लगती है. रुकना मुश्किल हो जाता है. इसे खत्म करने के लिए बड़ा हादसा चाहिए, जैसे ट्रेन का डिरेल होना.

सबडक्शन जोन की मौतः सामान्य प्रक्रिया या खतरा?

सबडक्शन जोन टूटना का सामान्य प्रक्रिया लगता है. अगर प्लेट्स हमेशा एक-दूसरे में धकेलती रहें, तो भूवैज्ञानिक इतिहास मिट जाएगा. इसलिए प्रकृति इसे रोकने के लिए प्लेट को तोड़ देती है. टूटे हिस्से छोटी माइक्रोप्लेट्स बन जाते हैं. कुछ हिस्से अब भूकंपीय रूप से सक्रिय नहीं हैं, क्योंकि वे मुख्य सिस्टम से कट चुके हैं. धीरे-धीरे इतना हिस्सा टूट जाएगा कि सबडक्शन रुक जाएगा. प्लेट का वजन कम हो जाएगा, नीचे खिंचाव रुकेगा.

क्या हो रहा है समुद्र के नीचे 75 km लंबी दरार

शक और उनके साथी वैज्ञानिकों ने एक जहाज से सिस्मिक इमेजिंग की. यह समुद्र तल से ध्वनि तरंगें भेजने जैसा है—जैसे अल्ट्रासाउंड से पेट का एक्स-रे. भूकंप की तरंगें भी इस्तेमाल कीं, जो पृथ्वी के अंदर उछल-उछल कर आती हैं. इससे पता चला कि कैस्केडिया के उत्तरी सिरे पर एक्सप्लोरर प्लेट टूट रही है .वहां कई बड़े फॉल्ट्स और फ्रैक्चर्स मिले. सबसे बड़ा एक 75 किलोमीटर लंबा फॉल्ट है, जो प्लेट को चीर रहा है. ये हिस्से अभी पूरी तरह अलग नहीं हुए, लेकिन बहुत तनाव में हैं. जैसे कोई रबर बैंड खिंच जाए और टूटने वाला हो. शक कहते हैं कि यह पहली बार है जब हमें सबडक्शन जोन की मौत को साफ देखने को मिल रही है. यह एकदम बंद नहीं हो रहा, बल्कि धीरे-धीरे टुकड़ों में बंट रहा है. जैसे ट्रेन का एक-एक डिब्बा डिरेल हो रहा हो.

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 05 नवंबर 2025

राजधानी राष्ट्रबाण

• बैरसिया • हुजूर • कोलार

मप्र में हर वोटर के वेरिफिकेशन के लिए डोर-टू-डोर सर्वे

भोपाल–इंदौर में कलेक्टर मतदाताओं के घर पहुंचे, उज्जैन में एसआईआर के फॉर्म में नहीं छपे

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश में मंगलवार से वोटर लिस्ट के गहन परीक्षण यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की शुरुआत हो गई है। पहले दिन कई जिलों में लापरवाही नजर आई। उज्जैन में फॉर्म ही नहीं छपे। इससे वोटर को फॉर्म नहीं मिल सके। धार में निर्वाचन कार्य में बड़ी लापरवाही सामने आई। जो फॉर्म दिए जाने थे, उसका दूसरा पेज प्रिंट ही नहीं हुआ। दूसरी ओर, भोपाल और इंदौर में कलेक्टर खुद मतदाताओं के बीच पहुंचे। एसआईआर को लेकर उज्जैन में भी मंगलवार से काम शुरू होना था, पर गणना पत्रक ही नहीं छपे। इस वजह से पहले दिन फॉर्म वोटर्स के पास नहीं पहुंचे। डोर-टू-डोर सर्वे की शुरुआत कब से होगी, यह भी तय नहीं है। ग्वालियर और जबलपुर में फार्म वितरण शुरू हो गया है।

भोपाल के कई मतदान केंद्रों पर पहुंचे कलेक्टर

भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह हुजूर विधानसभा के बूथ नंबर-33, 34, 35, 36, 37 और 38 में पहुंचे। यहां उन्होंने मतदाताओं से बात की। वहीं, बीएलओ के काम को भी देखा। कलेक्टर ने बताया, भोपाल में सभी 2029 बूथ लेवल ऑफिसर और 250 सुपरवाइजर काम में लगे हैं। सभी एसडीएम और तहसीलदार भी फिल्ड में घूमकर काम पर नजर रखे हुए हैं। प्रत्येक बीएलओ को 3 बार तक घर जाना होगा और मतदाता को 'गणना पत्रक' देना होगा, जो दो प्रति में होगा। एक मतदाता के पास रहेगी और दूसरी बीएलओ के पास। वर्तमान में भोपाल जिले में कुल 21 लाख वोटर्स हैं। पहले दिन कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भी कई इलाकों में पहुंचकर फॉर्म वितरित किए।

इंदौर में कलेक्टर ने बुजुर्ग मतदाता से भरवाया फॉर्म

इंदौर जिले में आज से मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम शुरू हो चुका है। अभियान के तहत बीएलओ खुद मतदाताओं के घर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। पहले दिन कलेक्टर शिवम वर्मा खुद मतदाता के घर पहुंचे। वे अपनी टीम के साथ इमली बाजार में रहने वाले 95 वर्षीय वासुदेव वर्मा के घर पहुंचे और उन्हें एसआईआर से जुड़ी जानकारी दी। उनका फॉर्म भी भरवाया। इस दौरान वासुदेव वर्मा ने कलेक्टर साथ अपना अनुभव भी सांझा किया। इस पर कलेक्टर ने खुशी जताई है। वासुदेव वर्मा ने उन्हें बताया, उन्होंने आज तक सभी चुनाव के दौरान अपने मत का प्रयोग किया है। वे स्ढ्ढक्रको लेकर भी काफी उत्साहित थे। कलेक्टर भी वर्मा से मिलाकर बेहद खुश नजर आए। इंदौर में एक माह तक मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम चलेगा। इस दौरान फर्जी, डुप्लीकेट और बाहरी लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाया जाएगा। अभियान के तहत बीएलओ सभी मतदाताओं के घर–घर पहुंचकर वैरिफिकेशन करेंगे।

उज्जैन में कल से काम शुरू होने की उम्मीद

एसआईआर मंगलवार 4 नवंबर से शुरू होना था। लेकिन उज्जैन जिले में ये काम शुरू नहीं हो पाया है। इसके पीछे कारण पत्रक का उज्जैन तक नहीं पहुंच पाना बताया जा रहा है। वही कुछ अधिकारी कह रहे है कि एक दिन की ट्रेनिंग और बची है उसके बाद कल बुधवार से एसआईआर का काम शुरू होगा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम उज्जैन में पहले दिन शुरू ही नहीं हो पाया है। बीएलओ को मंगलवार से जो गणना पत्रक (इम्यूनरेशन फार्म) मतदाताओं के घर – घर जाकर बांटना थे वो सुबह तक भी छपकर नहीं पहुंच पाए हैं। एसडीएम व तहसीलदार सुबह तक गणना पत्रक आने का इंतजार करते नजर आए। बड़नगर एसडीएम का दावा था की दोपहर तक पत्रक आ जायेंगे। जिसको बीएलओ तक जल्द ही पहुंचा देंगे। इधर उज्जैन शहर में भी पत्रक नहीं पहुंच पाने के बजह से कार्य शुरू ही नहीं पाया। उज्जैन एसडीएम कृतिका भीमावद ने बताया कि दक्षिण की अभी ट्रेनिंग बची है। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद ही बीएलओ फील्ड में जाकर काम शुरू कर पाएंगे। बड़नगर एसडीएम धीरेन्द्र पाराशर ने बताया कि गणना पत्रक आने वाले थे लेकिन लेट हो गए हैं। जल्द ही गणना पत्रक आ जाएंगे। उसके बाद बीएलओ तक पहुंचा देंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप सिंह ने बताया कि पत्रक उज्जैन आ गए है काम कल से शुरू हो सकेगा।

ग्वालियर में 20 प्रतिशत तक गणना पत्रक वितरित किए

ग्वालियर में पहले दिन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य शुरू हो चुका है। करीब ग्वालियर की 6 विधानसभा क्षेत्र में 20 परसेंट तक गणना पत्रों का वितरण किया गया है। यहां विधानसभा क्षेत्र 14, 15, 16, 17, 18 और 19 के वार्डों में फॉर्म वितरित किए गए हैं।

2003 के बाद इस तरह से सर्वे

बता दें कि साल 2003 के बाद पहली बार वोटर लिस्ट का डोर–टू–डोर सर्वे किया जा रहा है। जिन लोगों के नाम 2003 की लिस्ट में नहीं हैं और वर्तमान लिस्ट में हैं, उन्हें बताना होगा कि परिवार में किसका नाम 2003 की लिस्ट में था। बीएलओ फॉर्म में दी गई जानकारी के आधार पर इसे वेरिफाई करेंगे। जानकारी सही होने पर ही नाम जुड़ेगा।

वोटर से कोई दस्तावेज नहीं लिए जाएंगे, पत्रक से ही सत्यापन होगा

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि एसआईआर के तहत हर बीएलओ घर–घर जाकर मतदाताओं की जानकारी सत्यापित करेगा। कोई दस्तावेज नहीं लिए जाएंगे। जो भी जानकारी दी जाएगी, उसका सत्यापन गणना पत्रक से किया जाएगा। जो अधिकारी काम में लापरवाही करेंगे, उन पर कार्रवाई होगी।

जबलपुर में फॉर्म बांटना शुरू

उप जिला निर्वाचन ज्योति परस्ते का कहना है कि जबलपुर जिले में एसआईआर के फॉर्म छप रहे हैं। बीएलओ से भरने का काम भी कर रहे हैं। हाल ही में इनकी ट्रेनिंग भी करवाई गई है। कैंट विधानसभा से बीएलओ फोटो के साथ फॉर्म भरने को लेकर जानकारी भी भेज रहे हैं।

ऐसे समझें एसआईआर सर्वे

बीएलओ वोटर्स को एक गणना पत्रक देंगे। जिसमें आपको अपनी पूरी जानकारी भरना होगी। इसमें नाम, पता, उम्र और एपिक नंबर जैसे जानकारी होगी। परिवार में किसी की मृत्यु होने, बाहर शिफ्ट हुए हैं या नाम दूसरे राज्य में दर्ज हैं। इन्हें संबंधित विधानसभा प्रभारी यानी, एसडीएम नोटिस देकर दस्तावेज मांगेंगे।

यहां देख सकते हैं 2003 की लिस्ट

https://voters.eci.gov.in पर 2003 की लिस्ट ऑनलाइन है। वेबसाइट पर एसआईआर ऑप्शन चुनें, फिर राज्य और विधानसभा सिलेक्ट करें। पोलिंग बूथ या मोहल्ले के आधार पर नाम सर्च करें। यहां 2003 और वर्तमान सूचियों की पूरी डिटेल है।

ऐसे चलेगी पूरी प्रक्रिया

एक महीने तक डोर–टू–डोर सर्वे होगा। दिसंबर में प्रारंभिक सूची जारी होगी। 3 जनवरी तक आपत्ति या सुधार किए जा सकेंगे। 7 फरवरी को अंतिम लिस्ट प्रकाशित होगी।

ब्रेस्ट का भारी वजन महिलाओं में बढ़ा रहा पीठ दर्द

अविवाहित युवतियां भी परेशान एम्स में साल भर में 246 ने कराई ब्रेस्ट रिडक्शन सर्जरी

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

पीठ और गर्दन का दर्द, बार-बार थकान और भारीपन के एहसास को कई महिलाएं सामान्य समझकर सालों तक नजरअंदाज करती हैं। लेकिन अब डॉक्टर बता रहे हैं कि इसके पीछे की वजह ब्रेस्ट हाइपर ट्रॉफी यानी ब्रेस्ट का असामान्य रूप से बड़ा होना भी है। एम्स भोपाल के बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी विभाग में पिछले एक साल में 246 महिलाओं ने ब्रेस्ट से जुड़ी सर्जरी कराई हैं, जिनमें से 23.5त्न यानी 57 महिलाओं की ब्रेस्ट रिडक्शन सर्जरी हुई। जिसमें सबसे ज्यादा मरीज 20 से 30 साल की युवतियां हैं। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार बढ़ता हार्मोनल इम्बैलेंस, बदलती जीवनशैली और तनाव इस समस्या की बड़ी वजह हैं। यही कारण है कि ब्रेस्ट सर्जरी अब सिर्फ कॉस्मेटिक नहीं, बल्कि मेडिकल जरूरत बन गई है।

शरीर को लेकर जागरूक हो रही महिलाएं

एम्स भोपाल की रिपोर्ट बताती है कि बीते 4 से 5 सालों में भोपाल समेत मध्यप्रदेश में महिलाएं अपने शरीर को लेकर अधिक जागरूक हुई हैं। दर्द झेलने या पेनकिलर लेने की बजाय अब वे स्थायी समाधान चुन रही हैं। साल 2019 में एम्स भोपाल में 100 के करीब ही ब्रेस्ट से जुड़ी सर्जरी हुई थीं, जो अब बढ़कर 250 के करीब पहुंच गई हैं।

ब्रेस्ट हाइपर ट्रॉफी एक गंभीर समस्या

एम्स भोपाल के बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. मनाल खान बताते हैं कि ब्रेस्ट का असामान्य रूप से बड़ा होना ब्रेस्ट हाइपर–ट्रॉफी कहलाता है। यह स्थिति न केवल शारीरिक असहजता पैदा करती है, बल्कि आत्मविश्वास को भी प्रभावित करती है। इन मरीजों को अक्सर कंधे और गर्दन में दर्द, थकान और स्किन इन्फेक्शन होता है। ब्रेस्ट रिडक्शन सर्जरी से हम उनका साइज बॉडी स्ट्रक्चर के अनुसार करते हैं, जिससे उनकी जीवनशैली सहज हो जाती है। डॉ. खान ने बताया कि एम्स एक सेंट्रल गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट है, इसलिए यहां सर्जरी का खर्च बहुत कम है। ओटी चार्ज, बेड चार्ज और सर्जिकल फीस सभी सरकारी दरों पर हैं। यदि मरीज आयुष्मान कार्डधारक नहीं भी है, तब भी उसे न्यूनतम खर्च में इलाज मिल जाता है।

हर सर्जरी से पहले काउंसलिंग अनिवार्य

डॉ. खान ने कहा कि हर सर्जरी में कुछ रिस्क होता है, इसलिए मरीज को पहले ही बताया जाता है। हम पहले उसकी मेडिकल कंडीशन, मानसिक स्थिति और फिजिकल पैरामीटर्स का आकलन करते हैं। सर्जरी के बाद रेगुलर फॉलो–अप जरूरी होता है ताकि किसी तरह का इन्फेक्शन या निशान न बने। सर्जरी के बाद मरीजों को एंटीबायोटिक्स और पेन रिलीफ मेडिसिन दी जाती हैं।

जिस पर शंका, उसे ही सौंप दिया जांच का जिम्मा

एमपी टूरिज्म कॉरपोरेशन में सामान खरीदी में भ्रष्टाचार ; 2 हो चुके सस्पेंड

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। भोपाल के बोट क्लब पर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट बनाने में लाखों की गड़बड़ी की गई। इसके बाद 2 अफसरों को सस्पेंड भी कर दिया गया। वहीं, जांच कर एफआईआर दर्ज कराने का दावा है लेकिन जिस पर शंका है, उसे ही जांच का जिम्मा सौंपा गया है। बता दें कि कॉरपोरेशन ने करीब 80 लाख रुपए में 72 वस्तुएं खरीदीं थी, लेकिन जुलाई में इसकी शिकायत पर जांच की गई। जांच में ही 40 आइटम गायब मिले थे। गड़बड़ी का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि जो गोलगप्पा काउंटर 15 हजार रुपए में मिल जाता है, उसे 2.95 लाख रुपए में खरीदा गया। कॉरपोरेशन ने वित्त शाखा की मदद से 22.37 लाख रुपए का भुगतान भी कर दिया। शिकायत और जांच के बाद एमडी इलैया राजा टी. ने वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुरूप और स्वागतकर्ता प्रभारी प्रबंधक अरविंद शर्मा को सस्पेंड कर दिया।

जीएम ऑपरेशन को जांच का जिम्मा, उनकी सहमति से भुगतान कैसे?

सामान खरीदी के नाम पर कुल 22 लाख रुपए का घोटाला सामने आया है। मामले में दो अफसरों को निलंबित भी किया जा चुका है। दूसरी ओर, मामले की जांच का जिम्मा महाप्रबंधन (ऑपरेशन) विवेक जूड को सौंपा गया है, जबकि किसी भी भुगतान के लिए जूड की सहमति जरूरी है। ऐसे में भुगतान से पहले जांच होनी चाहिए थी। तभी मामला पकड़ में आ सकता था। बिना जांच भुगतान को लेकर जूड भी शंका के घेरे में है। हालांकि, उन्होंने संपूर्ण प्रक्रिया को नियमानुसार ही संचालित होने की बात कही है।

दो मामले, लेकिन कार्रवाई अलग-अलग

बता दें कि 28 जुलाई को एक ऐसा ही मामला सामने आया था। इसमें विंड एंड वेव्ज में फ्रंट ऑफिस एसोसिएट धर्मेंद्र सोनी को बिल में 350 रुपए की गड़बड़ी की शिकायत पर हटा दिया था। दूसरी ओर, 22 लाख रुपए के घोटाले में अब सिर्फ दो अफसरों पर ही कार्रवाई हुई है, जबकि भुगतान से लेकर जांच तक का जिम्मा उनके ऊपर ही है। इनमें महाप्रबंधक जूड, क्षेत्रीय लेखापाल हर दयाल सूत्रकार, रीजनल शेफ विनय रघुवंशी आदि भी शामिल हैं। एक जैसे दो मामलों में अलग–अलग कार्रवाई निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर रही है।

ये हुई थी धांधली

रिपोर्ट के अनुसार, आइसी काउंटर, कुकिंग कार्ट, सूप स्पून, टी स्पून, डेजर्ट फोक, आयरन पॉट, सूप स्टेशन, स्नैक ट्रॉली, गोलगप्पा काउंटर बाजार मूल्य से भी कई गुना अधिक कीमत पर खरीदना बताते हुए 22 लाख रुपए का भुगतान करना बता दिया था।

विदेश यात्रा में भी नियम ताक में

दूसरी ओर, संविदा कर्मचारियों को विदेश यात्रा कराने में भी नियम ताक में रख दिए गए हैं। जीएम ऑपरेशन जूड संविदा पर हैं। नियम के अनुसार, एजेंसी या संविदा कर्मचारियों को हवाई यात्रा या विदेश यात्रा की अनुमति नहीं होती, लेकिन कॉरपोरेशन ने अकेले जूड को ही 3 साल में 10 विदेश टूर करवा दिए। एमपीटी में प्रशासनिक अधिकारी राकेश अर्गल के बेटे राहुल अर्गल को भी लंदन में टूर पर भेजने की तैयारी है। राहुल को साल 2022 में एजेंसी के जरिए कॉरपोरेशन में प्रबंधन के पद पर नियुक्त किया गया था।

एमपी में आज से शुरू होगी एसआईआर

65 हजार बीलओ ट्रेनिंग के बाद आज से 72 हजार बूथों पर घर–घर पहुंचेंगे

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

बिहार की तर्ज पर वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन आज से मध्यप्रदेश में शुरू होगा। चुनाव आयोग के निर्देश पर एमपी के सभी 65 हजार बीएलओ को ट्रेनिंग देने का काम पूरा हो गया है और अब मंगलवार से बीएलओ घर-घर जाकर आयोग द्वारा जारी फॉर्म देंगे और वर्ष 2003 के एसआईआर के आधार पर वोटर्स से जानकारी लेंगे। इसके जरिए प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों के हर बूथ के हर वोटर को फिर से वेरिफाई किया जाएगा। चुनाव आयोग के निर्देश के बाद एमपी में 27 अक्टूबर से मतदाता सूची फ्रीज की जा चुकी है। साथ ही कलेक्टरों और संभागायुक्तों व सुपरवाईजर, बीएलओ को इसके लिए ट्रेनिंग देने और चुनाव आयोग की गाइडलाइन बताने का काम पूरा हो गया है। इसके बाद अब बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर फॉर्म बांटेंगे। यह फॉर्म आधा भरा और आधा खाली होगा जिसमें रिक्त जानकारी मतदाता को भरनी होगी। बीएलओ एक घर तीन बार जाएंगे। जो मतदाता संदिग्ध होंगे, उनसे दस्तावेज मांगे जाएंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव झा ने कलेक्टरों से कहा है कि वोटर वेरिफिकेशन का काम गंभीरता से कराएं और खुद भी चेक करते रहें। घर-घर सर्वेक्षण के दौरान बीएलओ दस्तावेज नहीं लेंगे, विवाहित महिलाओं को मायके से मंगानी होगी डिटेलइस व्यवस्था के अंतर्गत वर्ष 2003 में जिन महिलाओं की उम्र 18 साल नहीं थी और एक जनवरी 2003 को जारी एसआईआर के दौरान जो महिलाएं विवाहित नहीं थीं। ऐसी महिलाओं को अब खुद को वोटर साबित करने के लिए मायके से अपना मतदाता क्रमांक और मतदान केंद्र क्रमांक मंगवाना होगा। सीईओ एमपी इलेक्शन ने कहा है कि घर-घर सर्वेक्षण के दौरान बीएलओ कोई भी दस्तावेज़ एकत्र नहीं करेगा।

सुको ने मांगा सरकारी वकीलों की नियुक्तियों का डाटा

महाधिवक्ता कार्यालय से लेकर एससी, हाईकोर्ट, जिला कोर्ट में एसटी–एससी, ओबीसी महिला वकीलों की डिटेल मांगी

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने एमपी के महाधिवक्ता कार्यालयों से लेकर जिला स्तर पर नियुक्त होने वाले सरकारी वकीलों की जानकारी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एम सुंदरेश और जस्टिस सतीश शर्मा की खंडपीठ ने सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा है।

भागीदारी न होने के कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में इन वर्गों के जजों का नाम मात्र का प्रतिनिधित्व है।

आरक्षित वर्गों और महिलाओं की भागीदारी नहीं

ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय याचिका कर्ता एसोसिएशन की ओर से सीनियर एडवोकेट रामेश्वर सिंह ठाकुर, वरुण ठाकुर और विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मध्य प्रदेश में ओबीसी, एससी, एसटी, की लगभग 88त्न आबादी है और 49.8त्न महिलाओं की आबादी है फिर भी महाधिवक्ता कार्यालय में इस वर्ग के अधिवक्ताओं को समुचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है। आरक्षित वर्गों और महिलाओं की

सरकारी वकीलों की नियुक्तियों में आरक्षण का पालन नहीं हुआ

याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट को बताया कि मध्य प्रदेश आरक्षण अधिनियम 1994 की धारा 2(ड्ड) एवं 2(द्ब) तथा धारा 3 एवं 4(2) मे स्पष्ट रूप से प्रावधान है कि महाधिवक्ता कार्यालय, जिला न्यायालयों, निगम, मंडल मे नियुक्त विधि अधिकारियों की नियुक्तियों मे आरक्षण लागू होगा। क्योंकि, सरकारी वकीलों को सरकार द्वारा राज्य की निधि (पब्लिक फण्ड) से निर्धारित सैलरी दी जाती है।

हाई कोर्ट से जिला कोर्ट और बैंकों तक में होती है सरकारी वकीलों की नियुक्ति

महाधिवक्ता कार्यालय जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर और सुप्रीम कोर्ट मे एडिशनल एडवोकेट जनरल, डिप्टी एडवोकेट जनरल, गवर्नमेंट एडवोकेट, डिप्टी गवर्नरमेन्ट एडवोकेट के 150 से ज्यादा सरकारी वकीलों के स्वीकृत पद हैं। इसके साथ ही 500 से ज्यादा पेनल लॉयर के पद हैं।
दो हफ्ते बाद होगी सुनवाई
प्रदेश के जिला न्यायालयों मे एक हजार से ज्यादा पद हैं। निगम, मंडल और बैंकों को मिलाकर लगभग 1800 पद हैं। इन नियुक्तियों मे आरक्षित वर्ग और महिलाओं को प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इन तर्कों को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश सरकार को निर्देशित किया कि अगली सुनवाई के पहले ओबीसी, एससी, एसटी और महिलाओं के प्रतिनिधित्व की जानकारी के साथ सर्वोच्च न्यायालय में पूरा डाटा पेश किया जाए।अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद नियत की गई है।

8–9 को पचमढ़ी में रहेंगे राहुल गांधी

ट्रेनिंग में जिलाध्यक्षों से कहा– बीजेपी वाले फुटबॉल की पिच पर क्रिकेटर को हराते हैं,हमें अपने ग्राउंड पर खेलना चाहिए

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

पचमढ़ी के होटल हाईलैंड में 2 नवंबर से एमपी कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की ट्रेनिंग चल रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस ट्रेनिंग में शामिल होने 8 नवंबर को पचमढ़ी पहुंचेंगे। राहुल 8 और 9 नवंबर को पचमढ़ी के ट्रेनिंग कैंप में शामिल रहेंगे। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने राहुल गांधी के संभावित दौरे की जानकारी मिलने की पुष्टि की है।

उत्तराखंड के विधायक बोले- बीजेपी की पिच पर न खेलें

ट्रेनिंग के दूसरे दिन दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी और उत्तराखंड से विधायक काजी निजामुद्दीन ने कहा- हमें बीजेपी के ग्राउंड पर जाकर नहीं खेलना चाहिए। बीजेपी वाले फुटबॉल की पिच पर क्रिकेटर को बुलाकर खिलाते हैं और हराते हैं। हमें ऐसे किसी एजेंडे में नहीं उलझना चाहिए, जो बीजेपी क्रिएट करके हमें उलझाना चाहती है। 2 नवंबर को प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के नेशनल इंचार्ज और ष्टङ्खष्ट मेंबर सचिन राव ने किया। इस दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मुख्य रूप से मौजूद थे।

बेमौसम बारिश से बर्बादी झेल रहे किसानों पर नया संकट ; सीएम की राहत काम आएगी क्या?

किसानों को ज्यादा बिजली दी तो सबकी सैलरी कटेगी

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

बेमौसम बारिश से मध्य प्रदेश में फसलें बर्बाद हो गईं। इससे किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। अब बिजली विभाग ने किसानों को नई परेशानी में डाल दिया। बिजली विभाग ने आदेश जारी कर कहा कि किसानों को एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा बिजली दी तो ऑपरेटर की सैलरी कटेगी। यानी खेत सूखे रहें या किसान भूखे, बिजली अब टाइम टेबल से मिलेगी। ये आदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के चीफ जनरल मैनेजर एके जैन ने निकाला है। इसकी कॉपी भोपाल

और ग्वालियर के साथ सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, रायसेन, हरदा, विदिशा, अशोकनगर, गुना, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी और दतिया के महाप्रबंधकों को भेजी गई है। बता दें, सीएम डॉ. मोहन यादव ने एक नवंबर को कहा था कि घरेलू, गैर-घरेलू, कृषि और औद्योगिक श्रेणी (शासकीय कनेक्शन को छोड़कर) उपभोक्ताओं को तीन माह या उससे अधिक के बकाया बिल पर सरचार्ज राशि में छूट दी जाएगी। इसके एक दिन बाद बिजली कंपनी ने नया आदेश दे दिया। इसे कांग्रेस ने भाजपा सरकार का दोगलापन बताया है।

जेई से लेकर जीएम तक की सैलरी कटेगी

बिजली कंपनी के आदेश में लिखा है– यदि किसी कृषि फीडर पर 10 घंटे से अधिक बिजली दी जाती है तो इसे नियम के खिलाफ माना जाएगा। संबंधित ऑपरेटर की एक दिन की सैलरी काटी जाएगी। यदि कंट्रोल रूम द्वारा किसी कृषि फीडर पर 2 दिन लगातार 10 घंटे से अधिक बिजली दी जाती है तो संबंधित जूनियर इंजीनियर का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। लगातार 5 दिन तक ऐसा होने पर एक्जीक्यूटिव इंजीनियर की 1 दिन की सैलरी काटी जाएगी। यदि 7 दिन तक प्रतिदिन 10 घंटे से अधिक आपूर्ति पाई जाती है, तो उपमहाप्रबंधक या महाप्रबंधक का एक दिन का वेतन काटा जाएगा।

कार्रवाई की रिपोर्ट हेडक्वार्टर भेजी जाएगी

आदेश में लिखा है कि यदि कहीं मिट्टी की नमी, खराब मौसम या तकनीकी कारणों से लोड बढ़ता है तो भी आपूर्ति 10 घंटे से अधिक नहीं की जानी चाहिए। कृषि फीडर मीटरों के समय रीडिंग के आधार पर प्रतिदिन 15 मिनट तक की त्रुटि सीमा निर्धारित की गई है। इससे अधिक बिजली देने पर इसे नियम उल्लंघन माना जाएगा। सभी अधीक्षण अभियंताओं, एक्जीक्यूटिव, असिस्टेंट और जूनियर इंजीनियरों को इस आदेश का पालन सुनिश्चित करना होगा। उल्लंघन की रिपोर्ट हेडक्वार्टर को भेजी जाएगी।

कांग्रेस ने कहा- किसानों को परेशान करना है

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राहुल शर्मा ने इस आदेश की कॉपी ङ्क पर शेयर करते हुए लिखा– यह आदेश ध्यान से पढ़िए। भाजपा के नेता भाषण में कहते हैं– पर्याप्त बिजली देंगे और आदेश दे रहे हैं कि 10 घंटे से ज्यादा बिजली यदि किसी कर्मचारी ने दी तो तनख्वाह काट लेंगे। दोहरा चरित्र और दोगलेपन की सारी सीमाएं लांघती हुई भाजपा की ये सरकार। लगता है कि मोहन यादव जी ने कसम खा ली है कि किसानों को हर तरह से परेशान करना है?

संपादकीय

फिर संघ के पीछे पड़ी कांग्रेस

केरल उच्च न्यायालय ने कहा था कि कर्मचारी संघ से जुड़ सकता है. यह सब जानते हुए भी सेक्युलरपंथी संघ से निपटने की बातें करते रहते हैं. कर्मचारी, अधिकारी भी नागरिक हैं. नागरिक होने के कारण उन्हें किसी संगठन के आयोजन में शामिल होने, उत्सव मनाने और सांस्कृतिक जीवन का आनंद लेने का अधिकार है. संघ के समर्थकों को इससे वंचित करना राजनीतिक असहिष्णुता ही है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और खुद को सेक्युलर बताने वाली कांग्रेस फिर आमने-सामने हैं. ताजा विवाद कर्नाटक की कांग्रेस सरकार से जुड़ा हुआ है. पिछले दिनों कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि निजी संगठन, व्यक्तियों के समूह और संघ के लिए सरकारी परिसर के उपयोग हेतु पूर्व अनुमति अनिवार्य है. हाई कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी. मुख्यमंत्री ने सनातन परंपरा पर हमला बोलते हुए यह भी कहा था, 'अपनी संगति सही रखें. सनातनियों और संघियों से दूर रहें.' उन्होंने कहा कि केंद्रीय सत्ता में आने पर वे संघ को प्रतिबंधित कर देंगे. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी संघ पर प्रतिबंध की जरूरत जताई है. उनके बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने भी संघ पर हमला बोला. नियम अनुसार सरकारी कर्मचारी किसी राजनीतिक दल या संगठन से संबंध नहीं रख सकता और उसकी गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले सकता. केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर लागू सेंट्रल सिविल सर्विसेज कंडक्ट (1964) के अधीन कर्मचारियों के संघ के कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पर प्रतिबंध था. बाद में इसे संशोधित किया गया. अब इस सूची में संघ का नाम नहीं है. कांग्रेस द्वारा संघ की गतिविधियों को बाधित करने के प्रयास पहले भी हुए हैं. ऐसा प्रयास भारतीय संविधान (अनुच्छेद 14) के अधीन विचार अभिव्यक्ति की आजादी और संगठन बनाने की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है.

कांग्रेस को संघ अच्छा नहीं लगता, लेकिन उसे इंडियन मुस्लीम लीग से कोई समस्या नहीं. संघ से खार खाए कथित सेक्युलर नेता अक्सर कोप में आ जाते हैं और उसके खात्मे का एलान करते रहते हैं. कुछ समय पहले तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने संघ के पथ संचलन कार्यक्रम पर रोक लगाई थी. इस रोक को लेकर तर्क दिए गए कि पथ संचलन के कार्यक्रम के रास्ते में मस्जिद और चर्च पड़ते हैं.

आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है. भारतीय संस्कृति आधारित राष्ट्रवादी समाज बनाना उसकी प्राथमिकता है. हिंदुत्व संघ का अधिष्ठान है. संघ ने इस देश की राजनीति, संस्कृति में आधारभूत सकारात्मक हस्तक्षेप किया है. 1925 में जन्मा संघ सौ बरस का हो गया है. उससे ईर्ष्या स्वाभाविक है. 1885 में जन्मी कांग्रेस बूढ़ी हो गई है. संघ विरोधी राजनीतिक विचारधारा सेक्युलरवाद के नाम पर अल्पसंख्यकवाद चलाती रहती है. सेक्युलरवाद ने विचारधाराविहीन समाज बनाने का काम किया है, पर सेक्युलरिज्म तो आयातित और एक विजातीय विचार है. संघ का मूल आधार हिंदू राष्ट्रवाद है. सेक्युलर दल हिंदुत्व और संघ को सांप्रदायिक बताते हैं, पर उनके पास न तो अल्पसंख्यक की परिभाषा है और न ही सांप्रदायिकता की. अल्पसंख्यकवाद ऐसी राजनीति का भयानक प्रेत है. देश में लगभग 14.2 प्रतिशत मुस्लिम हैं. इसके बावजूद सेक्युलर राजनीति उन्हें अल्पसंख्यक बताती है. अल्पसंख्यक की भी कोई परिभाषा नहीं है. राजनीति का मजहबीकरण देश के लिए घातक है. अटल बिहारी वाजपेयी ने इंदिरा गांधी के समय कहा था कि पहले सांप्रदायिकता की परिभाषा कीजिए. उनकी इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया गया. सेक्युलरवाद की दृष्टि में संघ सांप्रदायिक है और इस्लामी एवं ईसाई विश्वास सेक्युलर हैं. यह दोहरापन है.

प्रदर्शन का जरिया बन गई राजनीति

मीडिया को भी अपनी जिम्मेदारी समझकर जांच-पड़ताल और तथ्यपरक पत्रकारिता को बढ़ावा देना होगा. यदि लोकतंत्र के आत्मा को बचाना चाहते हैं तो जनता को भी रवैया बदलना होगा. भारत का लोकतंत्र विश्व की सबसे बड़ी नागरिक-भागीदारी का मंच है. यह मंच तभी सार्थक है जब नीति, प्रतिस्पर्धा, स्कूल, अस्पताल, रोजगार, स्थानीय बुनियादी ढांचा केंद्र में हों. सादगी कोई सजावट की वस्तु नहीं, भारतीय राजनीति का आत्मा है. इसको सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी पार्टियों, संस्थाओं और सबसे बढ़कर मतदाताओं की है.

महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, जयप्रकाश नारायण आदि ने भारतीय राजनीति में सरल जीवन, सादगी, संयम और उच्च विचार की भावना को बढ़ावा दिया, लेकिन बीते दो-तीन दशकों में भारतीय लोकतंत्र का मूल उद्देश्य प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और लोकसेवा की जगह बाहरी आडंबर, चमक-दमक और महंगे प्रचार तंत्र की ओर झुका हुआ दिखता है. पहले नेता साधारण कारों से यात्रा करते थे, आज उनके काफिले में 40-50 महंगी गाड़ियां होना सामान्य है.

नेताओं के साथ दौड़ते वाहनों की कतारें, हूटर, कमांडो स्टाइल सुरक्षा और समर्थकों के बीच शक्ति-प्रदर्शन का माहौल अपने आप में नई तरह की राजनीति का संदेश देता है. राजनीति

अब विचार, नीति और काम की जगह दिखावे की भाषा बोल रही है. यह दृश्य अब आम हो गया है, पर क्या यह लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है या एक नई राजनीति की पहचान है, जहां सत्ता प्रदर्शन का माध्यम बन गई है?

इन दिनों बिहार में विधानसभा का चुनाव हो रहा है. राज्य में चुनाव प्रचार के नाम पर पैसे और प्रभाव का प्रदर्शन हो रहा है. इसे बाहुबली छवि वाले प्रत्याशी खास तौर पर कर रहे हैं. एक सर्वेक्षण के अनुसार प्रथम चरण के मतदान के लिए खड़े हुए कुल 1303 उम्मीदवारों में से 423 (32 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं. इनमें 354 उम्मीदवारों (27 प्रतिशत) ने बताया है कि उनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं. इससे पहले 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में 241 विजेता सदस्यों में से 163 (68 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की थी. यह आंकड़ा 2015 में 58 प्रतिशत था.

एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) के विश्लेषण के अनुसार लोकसभा में 543 सदस्यों में से 251 सदस्य ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. इनमें से 170 (31 प्रतिशत) के खिलाफ तो गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. विधानसभाओं का परिदृश्य भी अलग नहीं है. 28 राज्यों एवं तीन केंद्रशासित प्रदेशों के 4092 विधायकों में से 1861 (45 प्रतिशत) ने अपने हलफनामे में खुद के खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं. राजनीति का अपराधीकरण चुनाव दर चुनाव संस्थागत होता जा रहा है. वर्तमान लोकसभा में 93 प्रतिशत सदस्य करोड़पति हैं. 2009 में यह आंकड़ा 58 प्रतिशत, 2014 में 82 प्रतिशत और 2019 में 88 प्रतिशत था.

2024 में पुनः चुनाव लड़ रहे सांसदों की औसत परिसंपत्तियां पांच वर्षों में 43 प्रतिशत बढ़ीं. यह आंकड़ा बताता है कि सत्ता तक पहुंच आर्थिक पूंजी को तेजी प्रदान करती है. कारों के काफिले की लंबाई और 'शो-आफ' का बजट यहीं से आता है. यह बदलाव नई राजनीति की पहचान है, जहां नेता राजा जैसे दिखते हैं. लोकतांत्रिक राजनीति में भीड़ और जुलूस का परंपरागत स्थान रहा है, परंतु आज यह केवल समर्थन नहीं दर्शाता, बल्कि प्रभुत्व का संकेत देता है.

भारतीय महिलाओं ने दिलाई क्रिकेट की यादगार जीत

दिखिलाड़ियों के बीच बेहतरीन संतुलन और तालमेल का परिणाम भारतीय क्रिकेट की मुख्यधारा में भले ही पुरुष टीम को ज्यादा सुर्खियां मिलती रही हैं, मगर इसके समांतर महिलाओं की क्रिकेट टीम ने भी अपनी निरंतरता बनाए रखी है और समय-समय पर इसे साबित भी किया है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के फलक पर हौसला और कोशिश के स्तर पर भारत की महिला क्रिकेट टीम ने हर बार बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश की और कई बार अपनी क्षमता को साबित भी किया, लेकिन रविवार को इस टीम के बूते भारतीय क्रिकेट में एक शानदार और यादगार कामयाबी दर्ज हुई. नवी मुंबई के डी वाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम का जैसा प्रदर्शन रहा, उसे बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी के सभी स्तर पर खिलाड़ियों के बीच बेहतरीन संतुलन और तालमेल का परिणाम कहा जा सकता है.

इस मैच में टास दक्षिण अफ्रीका की टीम ने जीता, लेकिन उसके बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने शुरूआती हिचक के बाद जिस रफ्तार और लय के साथ 299 रन का लक्ष्य सामने रख दिया, उसे हासिल

करना प्रतिद्वंद्वी टीम के लिए एक चुनौती बन गई. आखिरकार दक्षिण अफ्रीका की टीम छियालीसवें ओवर में 246 रन बना सकी. कप्तान लारा ने 100 एक रन की पारी खेली और अपनी टीम को लड़ाई में बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी जैसी रणनीति अपनाई, उसमें वे दक्षिण अफ्रीका को खिताबी मैच में हार से नहीं बचा सकीं. भारतीय क्रिकेट की मुख्यधारा में भले ही पुरुष टीम को ज्यादा सुर्खियां मिलती रही हैं, मगर इसके समांतर महिलाओं की क्रिकेट टीम ने भी अपनी निरंतरता बनाए रखी है और समय-समय पर इसे साबित भी किया है. यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इस बार के फाइनल में शानदार जीत दर्ज करने से पहले भारतीय महिला टीम की खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल और प्रतियोगिता के अन्य मैचों में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था और फाइनल में जीत की भूमिका उसी से बनी थी. निश्चित रूप से यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि देश की महिला क्रिकेट की टीम ने विश्व कप पर पहली बार कब्जा जमाया है. इससे पहले 2005 और 2017 में भारतीय महिलाओं की टीम ने फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन तब खिताब से वे दूर रह गई थीं. इस बार विश्व कप की विजेता बन कर उन्होंने साबित कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दुनिया में भारत की महिला खिलाड़ियों की टीम भी एक समांतर शक्ति है.

अमेरिका और चीन के बीच 3 समझौते

डोनाल्ड ट्रंप का चीन के प्रति रुख बदलना भारत के लिए चिंता का विषय माना जा रहा है. अमेरिका के नेता अब इस दोस्ती को स्थायी शांति के लिए जरूरी मान रहे हैं. अमेरिका और चीन के बीच सुलह से भारत की 'चीन प्लस वन' नीति पर असर पड़ सकता है, जिससे नई दिल्ली को अपनी विदेश नीति पर पुनर्विचार करना होगा. सितंबर 2018 में चीन पर 10% टैरिफ लगाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि चीन कई बरसों से अमेरिका का फायदा उठा रहा है और उन्हें पता है कि उसे कैसे रोकना है. वह ट्रंप का पहला कार्यकाल था और उस पूरे रेजीम में चीन को लेकर उनका रवैया ऐसा ही सख्त रहा. लेकिन, दूसरे कार्यकाल के 10 महीने के भीतर ही उनका रुख बिल्कुल उल्टा हो चला है. अब वह चीन को खतरे के रूप में नहीं, उसकी दोस्ती को स्थायी शांति और सफलता के लिए जरूरी मान रहे हैं. डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की और इसके बाद कई अहम घोषणाएं हुईं. रेयर अर्थ मिनरल्स, ट्रेड टैरिफ और अमेरिकी कृषि उत्पाद पर जो गतिरोध था, वह सुलझता दिख रहा है. दुनिया के लिए चौंकाने वाली बात यह नहीं कि दोनों महाशक्तियों के बीच सुलह हो गई, बल्कि यह है कि दोनों एक ऐसे गठजोड़ की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं, जिसको लेकर अभी तक की कोशिशें असफल रही हैं. यह पार्टनरशिप इस सदी के सबसे बड़े भू-राजनीतिक बदलाव की वजह बन सकती है और इसका असर जिन देशों पर सबसे ज्यादा पड़ेगा, उनमें भारत भी है. अभी तक माना जा रहा था कि चीन के बढ़ते प्रभुत्व को रोकने के लिए अमेरिका उसके बरक्स भारत को खड़ा कर रहा है. कोरोना के दौर में चीन प्लस वन पॉलिसी चली, तो चर्चा में भारत ही रहा और इसका उसे फायदा भी मिला. अब जब वॉशिंगटन और पेइचिंग करीब आ रहे हैं, तो यह पॉलिसी भी शायद ज्यादा न चल पाए. अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर लड़ रहे चीन ने रेयर अर्थ की सप्लाई को हथियार की तरह इस्तेमाल किया था, जिसका असर भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ा. पिछले ही महीने जब चीन ने निर्यात से जुड़े नए नियम लागू किए तो अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इसे सभी की लड़ाई बताते हुए भारत से मदद मांगी. लेकिन, अब ऐसा लगता है कि यह लड़ाई अमेरिका को छोड़कर भारत और बाकी दुनिया की है.

राशिफल

■ **मेष:** आज आप नई ऊर्जा महसूस करेंगे. पुराने अधूरे कामों को पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी. कार्यक्षेत्र में मन लगा रहेगा, पर किसी निर्णय को जल्दी न लें. थोड़ा समय लेकर सोचें. धन की स्थिति ठीक रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचें.

■ **वृषभ:** आज स्थिरता आपके साथ होगी. आप सोच-समझ कर कदम उठाएंगे. कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा, और टीम वर्क से काम आगे बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी. छोटे निवेश में सावधानी रखें. परिवार और मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा, आप सामाजिक रूप से सक्रिय रहेंगे.

■ **मिथुन:** आज आपको नई दिशा मिल सकती है. कार्यक्षेत्र में बातचीत, प्रस्तुति या मेल-जोल लाभदायक रहेगा. धन संबंधी मामलों में सोच-समझ कर कदम उठाएं, अनावश्यक खर्च न करें. रिश्तों में संवाद की कमी से भ्रम हो सकता है. अपनी सोच स्पष्ट रखें.तनाव हो सकता है. विश्राम और ध्यान जरूरी है.

■ **कर्क:** आज आपका मन कुछ भावुक हो सकता है. कार्य में चुनौतियां आएंगी, लेकिन संयम से आप उनसे पार पाएंगे. धन की स्थिति मिश्रित रहेगी. अनपेक्षित खर्चे हो सकते हैं. रिश्तों में संवेदनशीलता ज्यादा रहेगी.

■ **सिंह:** आज आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे. नेतृत्व और आयोजन की जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभा पाएंगे. धन की स्थिति मजबूत रहेगी. यदि पहले की योजनाएं हों, तो उनका लाभ मिल सकता है. रिश्तों में आपकी चमक दिखेगी, लोग आपकी बात सुनेंगे.

■ **कन्या:** आज आपकी व्यवस्था और अनुशासन ज्यादा काम आएंगे. कार्य में विवरणों पर ध्यान दें. छोटी गलतियों से बड़ा फर्क पड़ सकता है. धन संबंधी फैसलों में सावधानी रखें. प्रत्येक शर्त पढ़ लेना बेहतर है. रिश्तों में थोड़ी दूरी या गलतफहमी हो सकती है. संवाद करें.

■ **तुला:** आज संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा. कार्य में साझेदारी और सौहार्द उपयोगी होंगे. धन संबंधी मामलें कुछ जटिल हो सकते हैं. समझौता या विचार-विमर्श लाभदायक रहेगा. रिश्तों में अपेक्षाओं को कम रखें, संवाद और समझ ज्यादा जरूरी है.

■ **वृश्चिक:** काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है. ऑफिस पॉलिटिक्स से दूरी रखें. सोना-चांदी में निवेश फायदेमंद हो सकता है. प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में बैलेंस बनाए रखें. थोड़ी बहुत चुनौतियां आ सकती हैं, जिन्हें आप आसानी से पार कर लेंगे.

■ **धनु:** आज आपके अंदर गहराई और अंतर्मुखी भाव रहेंगे. कार्यक्षेत्र में गुप्त या जटिल विषयों में सफलता मिलने की संभावना है. धन मामलों में सावधानी आवश्यक है. बड़े निर्णय आज न लें. रिश्तों में भावनाएं तीव्र होंगी लेकिन खुलकर बात करना जरूरी है. स्वास्थ्य में हल्की कमजोरी या मानसिक दबाव हो सकता है. विश्राम करें.

■ **मकर:** आज मेहनत और अनुशासन से काम बनेंगे. कार्यक्षेत्र में आपकी लगन और समर्पण पहचान दिलाएंगे. धन संबंधित मामलों में स्थिरता रहेगी, पर बड़े खर्चों में संयम जरूरी है. रिश्तों में समय निकालकर बात करें.

■ **कुंभ:** आज आपके विचार और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी. कार्यक्षेत्र में नई योजनाएं और नेटवर्किंग सफल हो सकती है. धन मामलों में छोटी शुरुआत बेहतर होगी. बड़े निवेश आज जोखिम हो सकते हैं.

■ **मीन:** आज आपकी संवेदनशीलता और कल्पनाशीलता ज्यादा बढ़ेगी. रचनात्मक या सेवा-प्रधान कार्यों में सफलता मिल सकती है. धन के मामलों में सोच-समझ कर कदम उठाएं. अनावश्यक व्यय न करें. रिश्तों में आपने जो महसूस किया है, वो साझा करें.

सड़कों पर गति मापक यंत्र लगाए जाने के दावे, फिर भी हो रही बेलगाम दुर्घटनाएं

जयपुर के हरमाड़ा में जो सड़क हादसा हुआ, उसका मंजर तो किसी फिल्म के डरावने दृश्य की तरह था. एक ट्रक ने पहले कार को टक्कर मारी और फिर वह तेज रफ्तार से कई वाहनों को रौंदता हुआ आगे निकल गया. सरकार के तमाम प्रयासों और दावों के बावजूद देश भर में सड़क हादसों की रफ्तार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है. चाहे वाहन में सवार लोग हों या फिर पैदल यात्री, सड़क पर चलना किसी के लिए भी खतरे से खाली नहीं रह गया है. दुर्घटनाओं के लिए यातायात नियमों का पालन नहीं करना, लापरवाही या तेज गति से वाहन चलाना और सड़क निर्माण एवं देखरेख में खामियों को जिम्मेदार ठहराया जाता है. मगर सवाल है कि इन व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने का दायित्व किसका है?

गौरतलब है कि तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह बजरी से लदे एक ट्रक और बस के बीच भीषण टक्कर हो गई. इससे पहले, रविवार को राजस्थान के फलोदी में दो वाहनों के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई. उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में बस और जीप आपस में टकरा गए. सोमवार को जयपुर के हरमाड़ा में एक से अधिक लोगों की जान चली गई. सरकार और प्रशासन की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना, दुर्घटना संभावित स्थलों को चिह्नित करना, सड़क निर्माण की गुणवत्ता और देखभाल की निगरानी करना शामिल हैं. मगर, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की हाल की एक रपट कुछ और ही सच्चाई बयां करती है. इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में 1.72 लाख लोगों की जान सड़क हादसों में गई है और यह आंकड़ा वर्ष 2022 के मुकाबले 2.6 फीसद अधिक है. इनमें से 68 फीसद से ज्यादा मौतें तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई हैं. सुधारात्मक योजनाएं और उपाय किए जाते हैं, वे प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो पा रहे हैं. आखिर इन योजनाओं को सरकारी कागजों से बाहर निकालकर सही मायने में जमीन पर उतारने में गंभीरता क्यों नजर नहीं आती है? जयपुर के हरमाड़ा में जो सड़क हादसा हुआ, उसका मंजर तो किसी फिल्म के डरावने दृश्य की तरह था. एक ट्रक ने पहले कार को टक्कर मारी और फिर वह तेज रफ्तार से कई वाहनों को रौंदता हुआ आगे निकल गया. इस घटना की प्रारंभिक जांच में लापरवाही से वाहन चलाने की बात सामने आई है. सवाल है कि अगर सड़कों पर इस तरह की भयानक घटनाएं होती हैं, तो वाहनों में सवार और पैदल यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? सड़कों पर

'बार्क' की गोपनीय सूचना आईएसआई को!

'बार्क' का फर्जी वैज्ञानिक बनकर संवेदनशील परमाणु डेटा के आदान-प्रदान के लिए करोड़ों रुपए की विदेशी धनराशि प्राप्त करने की सनसनीखेज जानकारी हासिल हुई है. मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के सूत्रों के अनुसार, हुसैनी बंधुओं को १९९५ से विदेशी धन मिलना शुरू हुआ था. शुरुआत में उन्हें लाखों रुपए दिए गए, लेकिन साल २००० के बाद उन्हें करोड़ों रुपए दिए गए. संदेह है कि यह पैसा बार्क और अन्य परमाणु संयंत्रों से संबंधित गुप्त ब्लूप्रिंट के बदले दिया गया था. झारखंड का मकान बेचा हुसैनी ने १९९६ में झारखंड स्थित अपना पैतृक मकान बेच दिया था, लेकिन अपने पुराने संपर्कों की मदद से फर्जी दस्तावेज हासिल करना जारी रखा. अख्तर हुसैनी को पिछले हफ्ते मुंबई पुलिस ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र का वैज्ञानिक होने का झूठा दावा करते हुए देशभर में यात्रा करने के आरोप में गिरफ्तार किया था. झारखंड के जमशेदपुर निवासी हुसैनी के पास से परमाणु हथियारों से संबंधित १० से ज्यादा नक्शे और कथित डेटा भी जब्त किया गया है. वेश बदलकर दुबई में रह रहा था फर्जी वैज्ञानिक! मुंबई में गिरफ्तार बार्क के फर्जी वैज्ञानिक हुसैनी के मामले में रोज नए खुलासे हो रहे हैं. जांच में पता चला है कि इनमें से एक भाई दुबई में वेश बदलकर रह रहा था. पता चलने के बाद उसे निर्वासित कर दिया गया था.

फडणवीस के करीबी फुके दंपति पर बैंक मेहरबान

महाराष्ट्र में 'विकास' का असली चेहरा अब बेनकाब हो गया है. जहां आम लोग मामूली खेती पर कर्ज के लिए बैंकों के चक्कर लगाते हैं, वहीं सिर्फ १५ एकड़ जमीन पर भाजपा के विधान परिषद सदस्य को १०० करोड़ रुपए का 'मेगा लोन' मिल गया. इससे बैंक का नजरिया 'आम जनता रुकिए, पहले विधायकजी लोन लीजिए' जैसा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है. विपक्ष ने इसे सत्ता का खुला दुरुपयोग और किसानों के साथ अन्याय बताते हुए सीधा हमला बोला है. राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाने वाले विधायक डॉ. परिणय फुके और उनकी पत्नी परिणीता फुके पर इस भारी-भरकम कर्ज को गलत तरीके से मंजूर कराने का गंभीर आरोप लगा है. दूसरी ओर स्थानीय निकाय चुनाव से ठीक पहले सामने आए इस घोटाले जैसे खुलासे ने भाजपा के लिए बड़ी मुश्किलें पैदा कर दी हैं. जानकारी के मुताबिक, नागपुर स्थित वैâनरा बैंक की शाखा ने यह कर्ज ५ मार्च २०२४ को कृषि विकास परियोजना के नाम पर मंजूर किया. मौजा रनाला, तहसील कामठी के सर्वे नंबर १२९/१/१/४४ और १२९/१/१/६४ के तहत कुल करीब १५ एकड़ जमीन परिणीता फुके और अन्य के नाम पर दर्ज है. सातबारा

पुणे में गैंगवॉर, हथियारों की धार तेज, गृह विभाग की धार कुंद

पुणे ने अब डरना और कांपना बंद कर दिया है. हाल के दिनों में पुणे में इतनी आपराधिक घटनाएं हुई हैं कि पुणेकर (पुणेवासी) 'हत्या', 'झगड़ा', 'गैंगवॉर', 'कोयता गैंग' आदि शब्दों से अभ्यस्त हो गए हैं. एक घटना से वे सुन्न होकर संभलते ही हैं कि पुणे में एक और चौंकानेवाली घटना घट जाती है. पुणे क्षेत्र में बढ़ती अपराध दर को देखते हुए फिल्मों के रोमांचक दृश्य भी फीके पड़ जाएंगे. शनिवार को दिनदहाड़े कोंढवा में २२-२* साल के लड़कों ने गणेश काले की बेरहमी से हत्या कर दी. हत्यारों ने पहले उसे पिस्तौल से गोली मारी और फिर सिर और चेहरे पर दरांती से वार कर उसकी हत्या कर दी. यह हत्या पुणे के बहुचर्चित आंदेकर और कोमकर के बीच गैंगवॉर के चलते हुई . एक साल पहले पूर्व नगरसेवक वनराज आंदेकर की हत्या के बाद से दोनों गिरोह बदले की भावना से उत्पात मचा रहे हैं और पुणे में भी वैसा ही गैंगवॉर छिड़ गया है जैसा कभी मुंबई में हुआ था. शनिवार को मारा गया गणेश काले, वनराज आंदेकर की हत्या के आरोपी समीर काले का भाई है. रिक्शाचालक गणेश कोंढवा के बेहद व्यस्त खडी मशीन चौक पर एक पेट्रोल पंप के पास खड़ा था. चौक में भारी भीड़ होने के बावजूद, गैंग से आए हमलावर जरा भी नहीं हिचकिचाए. इसे कहते हैं पुणे पुलिस का 'रौब'! गैंगवॉर में खूनी खेल की यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले, गुंडों ने वनराज आंदेकर की हत्या का बदला लेने के लिए एक कॉलेज छात्र आयुष कोमकर की हत्या कर दी थी. गणपति मूर्ति विसर्जन की पूर्व संध्या पर आंदेकर की हत्या के आरोपी गणेश कोमकर के बेटे आयुष की भी नाना पेठ जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में इसी तरह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. पुलिस ने तब कहा था कि गैंगवॉर के चलते बदला लेने के लिए आयुष की हत्या हुई और अब पुलिस को गणेश काले हत्याकांड में भी गैंगवॉर का शक है. अगर पुणे में गुंडों के गिरोहों का बोलबाला है, तो पुलिस क्या कर रही है? नाना पेठ में कोमकर के घर के सामने डीजे पर जोर-जोर से एक खास

स्टॉक मार्केट मिथक जो युवाओं को नहीं बनाने देते करियर

यदि आप भी उन लोगों में से एक हैं जो स्टॉक मार्केट में करियर बनाना चाहते हैं, लेकिन इन बातों को सुनकर अपने कदम आगे नहीं बढ़ा पा रहे, तो हम आपको बता दें कि आपको आधा-अधूरा सत्य बताया गया है। आम तौर पर लोग अपनी गलतियों को नहीं गिनाते। यहां पर लोगों के पैसा डूबने का मुख्य कारण अत्यधिक लालच, जानकारी का अभाव, जल्दबाजी, रिसर्च का अभाव, रिस्क मैनेजमेंट न करना आदि होता है। शेयर बाजार में करियर उतना ही फायदेमंद है, जितना अन्य दूसरे फील्ड।

स्टॉक मार्केट बिजनेस नहीं, जुआ है

स्टॉक मार्केट की प्रतिष्ठा को जुए, सट्टे और अटकलों का बाजार कहा जाता है। इस तरह की गलत सूचनाओं को उन लोगों द्वारा फैलाया जाता है, जो रातो-रात अपने पैसे को चौगुना करने के प्रयास में अपने हाथ जला चुके हैं। यहां भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह, आपके मन में उचित जोखिम-वापसी की अपेक्षा होनी चाहिए। धन सृजन एक धीमी और स्थिर प्रक्रिया है। इसलिए, लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि, वे अपनी बचत को अच्छी कंपनियों में बुद्धिमानी से लगाएं और गर्वित शेयरधारक बनें। स्टॉक मार्केट ऐसे लोगों के लिए केवल एक जुआ है जो रातों-रात पैसा कमाना चाहते हैं और जल्दी पैसा कमाने के लिए दांव लगाते हैं।

स्टॉक मार्केट में हाई रिस्क

इस मार्केट में कमाई का पूरा खेल इक्विटी होल्डिंग में शामिल जोखिम और रिटर्न पर निर्भर करता है। शेयरों की कीमतों में हर दिन और कभी-कभी हर घंटे उतार-चढ़ाव आता है। हालांकि, अगर हम कुछ वर्षों का रिटर्न देखें तो कुल मिलाकर रिटर्न एक महीने या एक साल की अवधि में प्रदर्शित आंकड़ों से कहीं अधिक होगा। यह आपके लिए धैर्य यहां सफलता की कुंजी है।

स्टॉक मार्केट करियर एक स्थिर पेशा नहीं

प्रतिमाह निश्चित सैलरी पाने वाले लोग स्टॉक मार्केट को एक्स्ट्रा आय स्रोत के रूप में देखते हैं। लोग अपने जीवन में नियमित और निश्चित सैलरी चाहते हैं, लेकिन स्टॉक मार्केट से जुड़े लोग ऐसा नहीं सोचते हैं। वे हर दिन अपने करियर को नई दिशा देते हैं।

स्टॉक मार्केट करियर केवल विशेषज्ञों के लिए

किसी भी स्किल में महारत हासिल करने में समय लगता है और ऐसा ही स्टॉक मार्केट के साथ भी है। वर्तमान समय में, पर्सनल इनवेस्टर्स स्टॉक मार्केट में सबसे बड़े भागीदार हैं। वित्त वर्ष 2023 में डीमैट खातों की कुल संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। खुदरा निवेशक 2022 में इक्विटी कैश मार्केट में कुल वॉल्यूम का 45 फीसदी योगदान करते हैं, जो 2016 में 33 फीसदी था। यह आंकड़े एक और मिथक को खारिज करते हैं।

फायदेमंद साबित हो सकता है पेपर बैग का बिज़नेस

जब से भारत सरकार ने प्लास्टिक और पॉलिथीन की बनी थैलियों पर पाबन्दी की घोषणा की है तभी से कई सारे राज्यों में इसके इस्तेमाल पर काफी हद तक बैन लग चूका है। प्लास्टिक से बनी थैलियाँ इस कदर हमारे जीवन का हिस्सा बन चुकी है की उन्हें पूरी तरह बंद करना काफी मुश्किल काम है और ये तभी संभव हो पायेगा जब इन पॉलिथीन की थैलियों का कोई विकल्प हमारे सामने होगा। तो इसका सबसे अच्छा विकल्प है पेपर बैग।

पेपर बैग का चलन हमारे देश में बड़ी तेज़ी के साथ बढ़ रहा है। और वो दिन दूर नहीं जब दुकानों, शौपिंग मॉल व हर जगह आपको सिर्फ पेपर बैग ही दिखाई देंगे। इस समय मार्केट में पेपर बैग की मांग बहुत ज्यादा है तो ऐसे में अगर आप खुद का बिज़नस शुरू करने की सोच रहे है तो ये आईडिया आपके लिए बहुत ज्यादा फ़ायदे वाला साबित हो सकता है क्योंकि इस बिज़नस में कम्पीटीशन बहुत कम है और अगर आपने सही दिशा में जी तोड़ मेहनत कर ली तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

व्यापार का अवसर एवं क्षेत्र

प्लास्टिक थैलियों के मुकाबले पेपर बैग दिखने में काफी स्टाइलिश होते है। और बड़े शहरों में लोगो के बीच इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। निम्न जगहों पर पेपर बैग बहुत ज्यादा प्रचलित हैं - किराने की दुकानों पर, शोपिंग मॉल में, मेडिकल स्टोर्स पर, फ़ल व सब्जियों की दुकानों पर पेपर बैग की मांग इतनी तेज़ी से बढ़ रही है की आने वाले कुछ सालों में पेपर बैग मेकिंग बिज़नस अरबों रुपयों का हो जायेगा। इसकी सबसे बड़ी वजह ये है की ये इको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ बहुत सस्ते भी है। पेपर बैग को आसानी से रीसाइकिल किया जा सकता है और वातावरण को इससे ज़रा भी नुकसान नहीं होता है। इसीलिए जितनी जल्दी आप यह बिज़नस स्टार्ट करोगे आपको उतना ही ज्यादा प्रॉफिट होगा।

व्यापार के लिए जगह का चुनाव

किसी भी व्यापार के लिए सही जगह का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। बिज़नस शुरू करने से पहले कुछ बातों की पूरी जानकारी लेना बहुत जरुरी है क्योंकि अगर एक बार मशीनें इनस्टॉल हो गई तो उन्हें वापस से दूसरी जगह इनस्टॉल करना बहुत भरी पड़ सकता है। इसके लिए आप निम्नलिखित बातों को अवश्य ध्यान में रखें

- पेपर बैग मेकिंग बिज़नस के लिए जगह ऐसी लोकेशन पर हो कि आसपास के लोगों को मशीनों की आवाज़ से कोई परेशानी न हो। इसके लिए आप शहर कुछ दूरी पर जगह का चुनाव करें ध्यान रहे उस जगह की शहर से ज्यादा दूरी न हो।
- उस जगह से शहर तक सड़क की अच्छी व्यवस्था हो।
- माल लाने व ले जाने के लिए गाडियों के पहुचने की व्यवस्था हो।
- पानी व बिजली की व्यवस्था हो।
- मजदूर आसानी से उपलब्ध हो।

व्यापार पंजीकरण

पेपर बैग व्यापार शुरू करने से पहले अपने बिज़नस को रजिस्टर करवाना बिलकुल भी न भूले। इसके लिए आपको अपने कस्बे या शहर की नगर-पालिका/नगर-निगम से ट्रेड लाइसेंस व साथ ही भारत सरकार की और से ज़ारी की जाने वाली उद्योग आधार संख्या के लिए आवेदन करना होगा।

मशीनों की जानकारी

पेपर बैग बनाने के लिए मार्केट में कई सारी अलग अलग कंपनियों की मशीने उपलब्ध है। जिनमे से कुछ स्वचालित है तो कुछ को आपको खुद को ही चलाना होगा। ऐसी भी बहुत सारी मशीनें है जो पेपर बैग बनाने के साथ साथ उन पर प्रिंटिंग की सुविधा भी देती है। इन्ही सब खूबियों की वजह से इनकी कीमतों में अंतर है। पेपर बैग बनाने की मशीन की कीमत 3 लाख रूपए से लेकर 20 लाख रूपए तक हो सकती है। जितनी महँगी मशीन होगी पेपर बैग का उत्पादन व गुणवत्ता उतनी ही अच्छी होगी। मशीन को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से खरीद सकते है।

आवश्यक कच्चा माल

पेपर बैग बनाने के लिए कई तरह के कागजों का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ कागज़ अच्छी क्वालिटी वाले तो कुछ बहुत ही हल्के होते है। अगर आप शोपिंग मॉल को ध्यान में रखते हुए पेपर बैग बना रहे है जहाँ ग्राहकों द्वारा एक साथ कई सारे सामान, कपड़े और ग्रोसरी खरीदी जाती है तो आपको अच्छी गुणवत्ता वाला कागज़ ही इस्तेमाल करना होगा। अगर आप सस्ता विकल्प ढूंढ रहे है तो कागज़ के लिए अख़बार का इस्तेमाल भी कर सकते है लेकिन यह आपके ब्रांड की वैल्यू मार्केट में कम कर देगा। यह आपको निश्चय करना है की आप कौनसा कागज़ इस्तेमाल में लेते हो। पेपर बैग बनाने के लिए ये चार चीज़े अत्यधिक आवश्यक है- पेपर रोल, चिपकाने के लिए गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक, बैग स्ट्रिप।

पेपर बैग बनाने की प्रक्रिया

पेपर बैग बनाने का काम पूर्णतया मशीन द्वारा ही किया जाता है। सिर्फ एक व्यक्ति जो मशीन चलाना जानता हो आसानी से उस मशीन को ऑपरेट कर सकता है। आपको केवल एक बार जरुरी पेपर रोल, गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक मशीन में लगानी है उसके बाद मशीन स्वत- ही अपना काम करने लगती है।

कुल लागत का गणित

अगर आप छोटे स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते है तो आपको मशीन के लिए कम से कम 3 से 5 लाख खर्च करने पड़ेगें। मशीन के आलावा भी अन्य कच्चा मॉल, जगह का किराया, बिजली का बिल, मज़दूर की तनख्वाह, ट्रांसपोर्टेशन का खर्चा मिलाकर इसकी कुल लागत 6 से 7 लाख रूपए तक पड़ेगी।

मार्केटिंग एंड प्रमोशन

अपने बिज़नस की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीका अपना सकते है। ऑफलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप अपने शहर के साथ-साथ नजदीकी शहरों या कस्बों में शोपिंग मॉल, किराने की दुकानों, फ़ल व सब्जियों की दुकानों, मेडिकल स्टोर्स आदि पर जा कर अपने प्रोडक्ट्स के बारे में बता सकते है। इसके लिए आपको विजिटिंग कार्ड और पम्पलेट जिसमें अपने प्रोडक्ट की सारी खूबियाँ व मूल्य व्यवस्थित रूप से निर्धारित किये गए हो की ज़रूरत पड़ेगी। ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले आपको खुद को इसके लिए तैयार करना होगा। उन सवालों के जवाब आपको पहले से ही तैयार रखने होंगे जो आपके कस्टमर्स आप से पूछ सकते है।
कहने का मतलब ये है कि ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले एक अच्छे इंस्टिट्यूट से मार्केटिंग की जरुरी स्किल जरुर सीख लें। और अगर आपके पास बजट ज्यादा है तो मार्केटिंग के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति को नौकरी पर भी रख सकते है। ऑनलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए कई सारे तरीके उपलब्ध है।
वर्तमान में लोगों के बीच इन्टरनेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। ऑनलाइन मार्केटिंग का सबसे अच्छा फायदा यह है की इन्टरनेट की मदद से घर बैठे आप पूरी दुनिया में अपने प्रोडक्ट का प्रमोशन कर सकते हो और इसमें होने वाला खर्चा भी ना के बराबर है। तो बिलकुल भी देर मत कीजिये और पेपर बैग किंग बनने की दिशा में अपना पहला कदम जल्दी से जल्दी बढाइये।

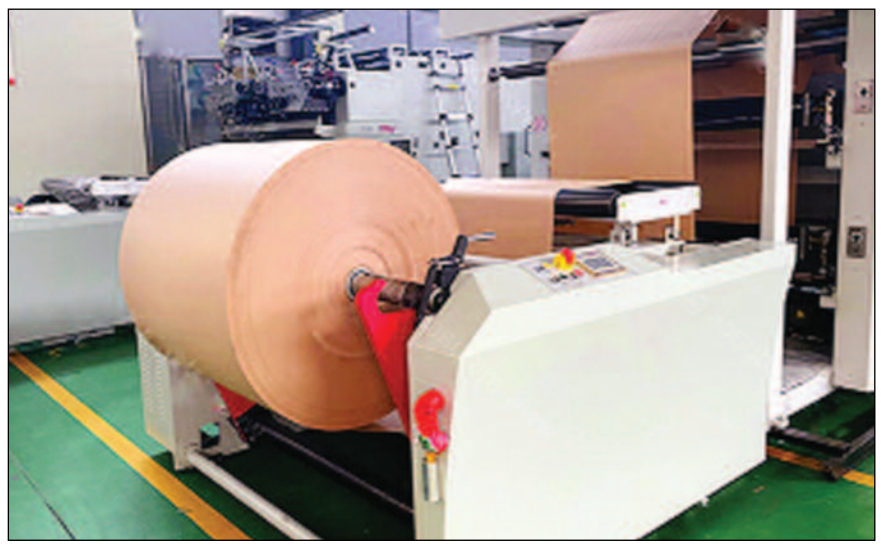

पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट

कंप्यूटर साइंस में बीटेक करना हर युवा का सपना होता है। वहीं, यदि आप अभी भी इस बात को लेकर कन्फ्यूजन में हैं कि कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग के बाद क्या करें, तो यहां कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद कुछ बेहतरीन करियर हैं। कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट्स के लिए कई करियर ऑप्शन हैं और इससे करियर ग्रोथ भी ज्यादा होती है। कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

एक फुल-स्टैक सॉफ़्टवेयर डेवलपर सॉफ़्टवेयर प्रोग्राम बनाने के बेसिक काम में शामिल होता है। वे ऐसे एप्लिकेशन या प्रोग्राम बनाते हैं जो कंपैटिबल होते हैं ताकि सॉफ़्टवेयर को किसी भी डिवाइस पर देखा और आसानी से संभाला जा सके और देखने के लिए बहुत पोर्टेबल हो।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

C, C++, C#, Java, Python और कई अन्य प्रोग्रामिंग भाषाएं हैं जिनकी सही कमांड की आवश्यकता होती है। इसलिए यह करियर बी-टेक छात्र के लिए कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद सबसे अच्छे करियर में से एक माना जाता है। एआई जैसी नई टेक्नोलॉजी की प्रगति के बावजूद, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मांग और आवश्यकता वर्ष 2050 तक भी बरकरार रहेगी।

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

एक डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर मौजूदा सॉफ़्टवेयर मॉडिफिकेशन की जाँच करता है। यह एक आवश्यक जिम्मेदारी है क्योंकि इसमें बहुत सतर्क रहना और कंपनी डेटाबेस और उसकी गुणवत्ता पर नियंत्रण बनाए रखना शामिल है। बैंकिंग, बीमा और सर्विस कंपनियों जैसे संगठन, एलिजिबल डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर को अच्छी जॉब देते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर विभिन्न कंप्यूटर हार्डवेयर कॉम्पोनेंट्स जैसे राउटर, सर्किट बोर्ड और मेमोरी डिवाइस का विकास, डिजाइन और परीक्षण करता है। इस काम के लिए टेक्निकल एक्सपर्टीज और क्रिएटिविटी के बीच अच्छे सहयोग की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करना उनका काम है कि हार्डवेयर ठीक से काम कर रहा है।

सिस्टम एनालिस्ट

कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट, इनफॉरमेशन सिस्टम के प्रत्येक संगठन का डीप एनालिसिस करने और उचित सुधार का सुझाव देने के लिए मौजूद होता है। बढ़ते आईटी बिज़नेस के साथ, कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट की मांग भी बढ़ रही है। फाइनेंस कंपनियों, सरकार, बीमा आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के कई अवसर हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट लोकल एरिया नेटवर्क, वाइड एरिया नेटवर्क, एक्स्ट्रानेट और इंट्रानेट के साथ नेटवर्किंग और कंप्यूटर प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी को डिजाइन, स्थापित और प्रबंधित करता है। काम डेटा प्रोसेसिंग और सहयोग के संदर्भ में संगठनों की इच्छाओं को पहचानना है।

वेब डेवलपर

वेब डेवलपर्स के पास पेज लेआउट, वेबसाइट स्टाइलिंग और पेज फीचर्स की मदद से किसी विशेष वेबसाइट पर विज़िटर के अनुभव को ढालने का एक आकर्षक काम है। एक वेब डेवलपर को HTML, CSS, JavaScript जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की उचित समझ होनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि एक सर्वर विभिन्न डिवाइस के साथ कैसे काम करता है। पूरी दुनिया में वेब डेवलपर्स की भारी मांग है। अगले दस वर्षों में इसके 13त्न बढ़ने का अनुमान है।

प्रोजेक्ट मैनेजर

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद यह सबसे अच्छे करियर में से एक है। प्रोजेक्ट मैनेजर का काम प्रोग्रामिंग टीम के प्रयासों को एक साथ लाना है और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उनके काम का समर्थन करना है। एजुकेशन से लेकर स्वास्थ्य तक, लगभग हर उद्योग को प्रोजेक्ट मैनेजर की आवश्यकता है। इसलिए इस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

सदाबहार करियर विकल्प पॉलिटिकल साइंस

पारंपरिक करियर विकल्पों में राजनीति विज्ञान यानी पॉलिटिकल साइंस का महत्व सदाबहार कहा जा सकता है। यह विषय समाज शास्त्र का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत प्रशासन की विभिन्न प्रणालियों और दुनिया भर में मौजूद राजनैतिक तंत्रों व उनकी नीतियों को पढ़ाया जाता है। इसमें अध्यापन-कार्य से लेकर शोध, चुनाव व कानून से जुड़े कार्यक्षेत्रों में काम किया जा सकता है। इस समय राजनीति विज्ञान के जानकार युवाओं की पॉलिटिकल व इंटेलिजेंस एनालिस्ट या कंसल्टेंट्स के तौर पर सेवाएं ली जा रही हैं।

देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर इस विषय पर आधारित कोर्सेज उपलब्ध हैं। इसलिए यह कहना कुछ हद तक सही है कि अन्य कोर्सेज की तुलना में इसमें दाखिला पाने के लिए ज्यादा मारामारी की स्थिति नहीं है। हालांकि, बेहतर मुकाम पाने के लिए इस विषय में उच्च अध्ययन की ओर रुख करना काफी महत्व रखता है। दूसरे पारंपरिक कोर्सेज की तुलना में करियर को संवारने के कहीं ज्यादा अवसर इस विषय की पढ़ाई के जरिये हासिल किए जा सकते हैं। अकादमिक और शोध कार्यों में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्रों को देशी-विदेशी संस्थानों की स्कॉलरशिप हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके जरिए उन्हें आगे चलकर अध्यापन के बेहतर अवसर मिलेंगे। स्कूल और कॉलेज में अध्यापन और शोध कार्यसहित अन्य क्षेत्रों में मौके होने के साथ ही हाल के वर्षों में कुछ नए करियर विकल्प भी उभरे हैं। इनमें से कुछ हैं-

पॉलिटिकल एनालिस्ट - राजनीति विज्ञान में पारंगत अनुभवी विशेषज्ञों के लिए यह काफी महत्वपूर्ण करियर कहा जा सकता है। इनका काम मुख्य रूप से राजनैतिक निर्णयों/सरकारी नीतियों आदि पर समीक्षात्मक टिप्पणी करना और उनकी कमियों को उजागर करना है। ये बतौर विशेषज्ञ, पॉलिटिकल पार्टियों की नीतियों और चुनावी घोषणाओं पर भी अपने विचार देते हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर - आम जनता के बीच जनमत तैयार करने या किसी खास राजनैतिक दल के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करने जैसे कार्यों को बखूबी अंजाम देने में इस विषय की पृष्ठभूमि वाले लोगों को काफी उपयोगी माना जाता है। यही कारणहै कि सोशल मीडिया से जुड़ी नौकरी पाने में राजनीति शास्त्र के जानकार को ज्यादा परेशानी नहीं होती है।

पॉलिटिकल कंसल्टेंट्स - इनका काम चुनावी दंगल में प्रत्याशियों के लिए अधिकाधिक मत पाने की योजना तैयार करना और उन्हें सफलता के साथ लागू करना होता है। यह समझ जनता के साथ लंबे समय से संपर्क में रहने के बाद विकसित होती है। सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का अच्छा जानकार होना इस संदर्भ में महत्वपूर्ण कहा जा सकता है।

इंटेलिजेंस एनालिस्ट- राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों की विचारधारा को समझते हुए उनके बारे में रिपोर्ट बनाना, इनके कार्य के दायरे में आता है। ऐसे विशेषज्ञ प्राय- अप्रत्यक्ष तौर पर काम करते हैं।
मार्केट सर्वे एक्सपर्ट- बड़ी-बड़ी कंपनियां भी अपना नया उत्पाद बाजार में उतारने से पहले ऐसे विशेषज्ञों का सहारा लेती हैं, ताकि उन्हें समय-समय पर प्रतिक्रियाएं मिलती रहें। इस प्रकार वे अपने उत्पाद की त्रुटियों को न सिर्फ समझ सकते हैं, बल्कि उनमें समय रहते सुधार कर दोबारा मार्केट में उतार सकते हैं।

वकील के तौर पर करियर- राजनीति शास्त्रकी पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए एलएलबी करना सही रहता है। इनके लिए मुकदमों की बारीकियों को समझना आसान होता है। वहीं जनसंचार के क्षेत्र में ऐसे सफल पत्रकारों की कमी नहीं है, जिनके पास राजनीति विज्ञान की डिग्री है। ऐसे अवसर प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में मिल सकते हैं।

पाठ्यक्रम
यह बताने की जरूरत नहीं है कि राजनीति विज्ञान कोई नया विषय नहीं है। इससे जुड़े कोर्सेज भी पुराने या परंपरागत कहे जा सकते हैं। दसवीं के बाद ही प्राय- एक स्वतंत्र विषय के रूप में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू हो जाती है। ग्रेजुएशन स्तर पर बीए/बीए (ऑनर्स) कोर्स का प्रमुख तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। आमतौर पर इन तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में मेरिट के आधार पर ही नामी विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। इसके बाद मास्टर्स और पीएचडी तक की डिग्री हासिल की जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा और मुक्त विद्यालयों से भी इस विषय की पढ़ाई विभिन्न विश्वविद्यालयों के माध्यम से की जा सकती है।

व्यक्तित्व में क्या हो खास

इस क्षेत्र में ऐसे युवाओं को करियर बनाने के बारे में सोचना चाहिए, जिनको देश-विदेश में चल रही राजनैतिक उथल-पुथल और सामयिक मामलों के बारे में जानने की गहरी दिलचस्पी हो। देश के बदलते राजनैतिक घटनाक्रम पर पैनी नजर और इसके सामाजिक एवं आर्थिक कारणों को समझने की दृष्टि और उनके आधार पर भावी राजनैतिक आहटों को समझने की क्षमता भी इस क्रम में एक विशिष्ट गुण कहा जा सकता है। इसके अलावा तथ्यों और तर्कों के आधार पर नीतिगत निर्णयों को समझने की काबिलियत को भी कम महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों में संवाद कौशल, भाषा पर नियंत्रण आदि का होना भी काफी मायने रखता है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 5 नवंबर 2025

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

नगर परिषद अध्यक्ष ने शासकीय भूमि पर किया पक्का अतिक्रमण

पीएम आवास योजना का लाभ लेकर शासकीय भूमि पर कब्जा करने का आरोप

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

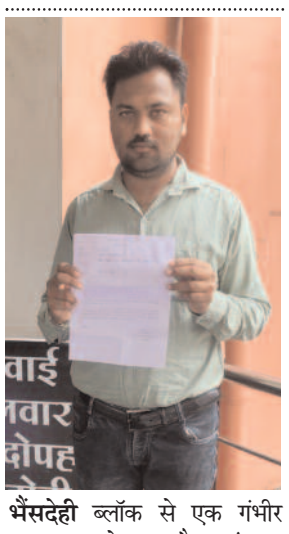

भैंसदेही ब्लॉक से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां नगर परिषद अध्यक्ष पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की शासकीय भूमि पर अवैध रूप से पक्का अतिक्रमण करते हुए मकान बनाने के आरोप लगे हैं। इस संबंध में आवेदक बंटी सिसोदिया ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

सिसोदिया ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि नगर परिषद अध्यक्ष मनीष सोलंकी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेकर शासकीय भूमि पर कब्जा किया और वहां पर मकान का निर्माण कर लिया। यह पूरी तरह नियम विरुद्ध है। इस अवैध निर्माण की जानकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के वर्तमान बीएमओ को भी भलीभांति है, फिर भी निर्माण कार्य के दौरान उन्होंने कोई रोक-टोक या कार्रवाई नहीं की।

आवेदक ने बताया कि अध्यक्ष सोलंकी ने नगर परिषद अध्यक्ष पद पर रहते हुए अपने राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर प्रशासन को दबाव में रखा, जिसके चलते पूरे प्रकरण पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। जबकि पूर्व में इस अवैध निर्माण की शिकायत भैंसदेही अनुविभागीय अधिकारी को लिखित रूप में दी जा चुकी थी। सिसोदिया के अनुसार, मनीष सोलंकी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दिसंबर 2021 को पहली किश्त की राशि भी शासन द्वारा प्रदान की गई थी। लेकिन अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें यह राशि शासन को लौटाना चाहिए थी, क्योंकि यह लाभ जनप्रतिनिधि पद ग्रहण करने के बाद नियमों के खिलाफ था। उन्होंने राशि वापस नहीं की, जो शासन के नियमों का उल्लंघन एवं दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

आवेदक बंटी सिसोदिया ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि इस मामले में संपूर्ण जांच कर नियम अनुसार उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही व्यंग्यात्मक रूप से कहा कि यदि प्रशासन अध्यक्ष सोलंकी के विरुद्ध कोई कार्रवाई करने में असमर्थ है, तो उन्हें भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिषद की खाली भूमि पर मकान बनाने की अनुमति और प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभ प्रदान किया जाए।भैंसदेही में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या सत्ता और पद का प्रभाव नियमों से ऊपर है।

निलय डागा की मां ताप्ती चुनरी पदयात्रा आज

किसानों और सर्वहारा वर्ग की खुशहाली के संकल्प के साथ उठेगा हर कदम

विगत 8 वर्षों से यात्रा बनी जनभावना का पर्व

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

आस्था, समर्पण और सामाजिक एकजुटता का अद्भुत संगम आज बैतूल की धरती पर देखने को मिलेगा, जब पूर्व विधायक निलय विनोद डागा के नेतृत्व में हजारों श्रद्धालु मां ताप्ती चुनरी पदयात्रा के पवित्र मार्ग पर कदम रखेंगे। किसानों और सर्वहारा वर्ग की खुशहाली के संकल्प के साथ यह यात्रा पूरे जिले की जनभावना का प्रतीक बन चुकी है।

पूर्व विधायक निलय डागा के नेतृत्व में यह चुनरी पदयात्रा लगातार नौवें वर्ष आयोजित की जा रही है। नर्मदा परिक्रमा यात्रा से प्रेरित होकर शुरू हुई यह परंपरा आज जिले की धार्मिक चेतना और सामाजिक समरसता की पहचान बन गई है। डागा ने बताया कि मां ताप्ती के चरणों में इस यात्रा का उद्देश्य जिले के किसानों और श्रमिक वर्ग की समृद्धि, कल्याण और शांति की कामना करना है।

– प्राचीन शिव मंदिर से प्रारंभ होगी यात्रा

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज 5 नवंबर बुधवार को यह ऐतिहासिक पदयात्रा सुबह 7 बजे कोठी बाजार लल्ली चौक स्थित प्राचीन शिव मंदिर से प्रारंभ होगी। यात्रा मार्ग में श्रद्धालु थाना चौक, टिकारी अखाड़ा चौक, कारगिल चौक, सदर ग्राम दनोरा, भड़ूस, महदगांव, डहरगांव, खेड़ी सांवलीगढ़ से होते हुए दोपहर 2 बजे ताप्ती घाट पहुंचेंगे। वहां सूर्य पुत्री जीवनदायिनी मां ताप्ती को चुनरी अर्पित की जाएगी और जिले की समृद्धि, खुशहाली एवं सुख-शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की जाएगी।

उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि वे सपरिवार इस यात्रा में सम्मिलित होकर मां ताप्ती के चरणों में नमन करें और उनके आशीर्वाद से अपने जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त करें।

शक्ति सदन स्वाधार गृह एवं परिवार परामर्श केंद्र का निरीक्षण

संयुक्त संचालक ने सराहा ग्राम भारती महिला मंडल का कार्य

सारणी| संवाददाता
rashtrabaan.in

ग्राम भारती महिला मंडल द्वारा संचालित शक्ति सदन (स्वाधार गृह) का आज नर्मदा संभाग, महिला एवं बाल विकास सशक्तिकरण विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग सारणी से श्रीमती संगीता धुर्वे, प्रभारी परियोजना अधिकारी तथा श्रीमती रश्मि अकोदिया, सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक महोदया ने निवासरत महिलाओं से संवाद किया तथा उनकी व्यक्तिगत फाइलों, संस्था के अभिलेखों एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन किया जिसमें शक्ति सदन में 19 निवासरत महिलाएं एवं 5 बच्चे उपस्थित रहे। तत्पश्चात उन्होंने संस्था द्वारा संचालित आचार निर्माण इकाई, सेनेटरी पैड निर्माण केंद्र, परिवार परामर्श केंद्र एवं कंप्यूटर लेब का भ्रमण किया, जहाँ शक्ति सदन में निवासरत महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य कर रही हैं और अपने श्रम से आर्थिक लाभ प्राप्त कर रही हैं। संयुक्त संचालक श्रीमती त्रिपाठी ने बताया कि यह एक प्रतिष्ठित दौरा रहा जहां महिलाओं के कल्याण के लिए लंबे समय से संस्था कार्य कर रही है संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं पुनर्वास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की इस कार्य को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। अवलोकन में टीम के साथ संस्था अध्यक्ष श्रीमती भारती अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती नंदा सोनी, शक्ति सदन अधीक्षिका श्रीमती ज्योति बागड़े, एवं परिवार परामर्श केंद्र की काउंसलर श्रीमती शबनम शेख एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ग्राम भारती महिला मंडल का यह सतत प्रयास महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मयंक भार्गव को पीएचडी अवार्ड

बैतूल। दैनिक राष्ट्रीय जनादेश के प्रधान संपादक, इंडिया टीवी, पीटीआई भाषा, आकाशवाणी के संवाददाता और भोपाल और बैतूल से प्रकाशित गोंडी भाषा के अखबार लोकांचल के प्रकाशक एवं संपादक जिले के वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, विचारक एवं राजनीतिक समीक्षक मयंक भार्गव को पत्रकारिता में पीएचडी अवार्ड हुई है। श्री भार्गव बैतूल जिले के पहले और एकमात्र पत्रकार हैं जिन्होंने पत्रकारिता में पीएचडी की उपाधि हासिल की है। भोपाल की सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने यह पीएचडी अवार्ड की है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 2.40 लाख की अवैध शराब जब्त

दो आरोपियों समेत 460 लीटर शराब जब्त, 34/2 का मामला दर्ज

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में अवैध शराब बिक्री और परिवहन को लेकर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी अंशुमन चढ़ार के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। वृत्त आठनेर एवं मुलताई क्षेत्र में की गई इस संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध मदिरा जप्त की गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सूचना के आधार पर मुलताई निवासी राघव दास उर्फ बबलू यादव पिता चंद्र कुमार यादव उम्र 29 वर्ष के निवास पर दबिश दी गई यहां से देसी शराब मसाला 180 एमएल की तीन पेटियां तथा देसी प्लेन 180 एमएल की चार पेटियां बरामद की गई। इसके अलावा ग्राम पंचायत राय आमला में स्थित एक ढाबे से देसी मदिरा मसाला 180 एमएल की 40 पेटियां, देसी प्लेन 180 एमएल की तीन पेटियां एवं बियर लेमाउंट की 12 बोतलें और छह केन भी जब्त की गई। कुल मिलाकर 460.8 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख 40 हजार आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी लीला सिंह मुकाती, आबकारी उपनिरीक्षक राजेश वट्टी, उपनिरीक्षक (परिवीक्षाधीन) जुथिका वर्मा, तथा आबकारी आरक्षक अक्षय हुरडे, राजेंद्र राठौड़, मदनलाल सूर्यवंशी, के.एल. टेकाम, जगन्नाथ गुरुवे, अबलवंत बारस्कर और कुसुम धुर्वे का विशेष योगदान रहा। जिला आबकारी अधिकारी ने जिले में ऐसे अवैध कार्यों पर निरंतर निगरानी और कार्यवाही की बात कही है।

बैतूल अंडर-22 क्रिकेट टीम का चयन 7 नवम्बर को

डॉन बास्को ग्राउंड पर होगा ट्रायल, जिलेभर से खिलाड़ी दिखाएंगे प्रतिभा

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल जिला क्रिकेट संघ द्वारा संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए अंडर-22 टीम का चयन 7 नवम्बर 2025 को दोपहर 3 बजे डॉन बास्को स्कूल कैंपस ग्राउंड पर किया जाएगा। जिला क्रिकेट संघ के सचिव अनिल दीक्षित ने बताया कि जिन खिलाड़ियों का जन्म 1 सितम्बर 2003 या उसके बाद हुआ है, वे ट्रायल में भाग लेने के पात्र होंगे। खिलाड़ियों को अपना जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है।

इस चयन प्रक्रिया में बैतूल, मुलताई, भैंसदेही, आमला, घोड़ाडोंगरी, शाहपुर और सारनी तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कोच मोइज़ मंसूरी से 7000662399 पर संपर्क किया जा सकता है। जिला क्रिकेट संघ के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. नितिन देशमुख ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को नर्मदापुरम आदेशानुसार रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना अनिवार्य रहेगा।

सचिव की अनुपस्थिति पर ग्रामीणों ने तैयार किया स्थल पंचनामा, उपसरपंच ने की शिकायत

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

ग्राम पंचायत चुनालोहमा में सचिव की लगातार अनुपस्थिति से नाराज ग्रामीणों और उपसरपंच अर्चना राठौर ने पंचायत भवन में स्थल पंचनामा तैयार किया। पंचनामा में उल्लेख किया गया कि दोपहर 2 बजे तक भी सचिव कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए। ग्रामीणों ने बताया कि सचिव रोजाना दोपहर 2 से 3 बजे के बीच ही पंचायत भवन पहुंचते हैं, जिससे पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं तथा ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उपसरपंच अर्चना राठौर के साथ ग्रामीण नवीन और अन्य नागरिकों की उपस्थिति में यह पंचनामा तैयार किया गया। बताया गया कि यह पहली बार नहीं है जब सचिव की अनुपस्थिति पर पंचनामा बनाया गया हो। इससे पहले भी 1 नवंबर शनिवार को दोपहर 1:30 बजे तक सचिव के अनुपस्थित रहने पर ग्रामवासियों ने पंचनामा तैयार किया था। उस दिन के पंचनामा पर उपसरपंच अर्चना राठौर के साथ राजेश, संजू और मुकेश सहित कई ग्रामीणों ने हस्ताक्षर किए थे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सचिव नामदेव पाटणकर प्रतिदिन भैंसदेही से आते-जाते हैं और दोपहर बाद ही पंचायत भवन पहुंचते हैं, जिससे नियमित कार्यों में देरी होती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित अधिकारी इस मामले की जांच कर कार्रवाई करें ताकि पंचायत के कार्य समय पर संचालित हों और आमजन को असुविधा का सामना न करना पड़े।

फौजी कप सीजन-2 में तीसरे दिन हुए रोचक मुकाबले

शिवा 11, एमसीआई 11 और यादव वॉरियर ने मारी बाजी

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में चल रहे फौजी कप सीजन-2 के तीसरे दिन मंगलवार को जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। दिनभर में तीन रोमांचक मुकाबले खेले गए। मुख्य अतिथि के रूप में कैप्टन जगदीश गावंडे पूर्व सैनिक, कैप्टन दीपक दयाल पवार पूर्व सैनिक, मनीष ठाकुर एवं अंकुरित आहार समिति बैतूल के सदस्य उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के अध्यक्ष हाकम सिंह, उपाध्यक्ष विनोद रघुवंशी, विजय रघुवंशी रघुवंशी समाज नगर अध्यक्ष, महेंद्र ठाकुर, पुष्प रावत और आयोजक अशोक रघुवंशी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

फौजी अशोक रघुवंशी ने बताया कि पहले मुकाबले में शिवा 11 ने बैतूल अकैडमी को हराया। मैन ऑफ द मैच धर्मेंद्र रहे जिन्होंने 45 रन बनाए और 5 विकेट झटके। उन्हें नवीन पाटणकर पूर्व सैनिक द्वारा 1100 रुपये नकद और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। दूसरे मुकाबले में एमसीआई 11 ने रघुकुल योद्धा को पराजित किया। इस मैच में वीरू ने 53 रन बनाए और 5 छक्के जड़े, उन्हें बृजेश रघुवंशी (मध्यप्रदेश पुलिस) ने 1100 रुपये नकद और ट्रॉफी भेंट की। तीसरे मुकाबले में यादव वॉरियर चिचोली ने शिवाजी बैतूल को मात दी। मैन ऑफ द मैच संदीप सेलुकर रहे जिन्होंने 34 रन बनाकर 2 विकेट लिए। उन्हें कैप्टन जगदीश गावंडे पूर्व सैनिक द्वारा 1100 रुपये नकद और ट्रॉफी प्रदान की गई। आयोजन समिति ने खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में पहुंचने की अपील की है।

6 माह से सोनारखापा के किसानों की मोटरें बंद, रबी की बुवाई पर संकट

विद्युत कंपनी की लापरवाही से किसानों की सिंचाई ठप, शिकायतों के बाद भी नहीं हो रही कार्यवाही

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी बैतूल बाजार के अंतर्गत आने वाला ग्राम सोनारखापा पिछले छह माह से विद्युत आपूर्ति बंद होने की समस्या से जूझ रहा है। खेतों के बीच खड़े एक पोल में दरार आने के बाद लाइनमैन ने सुरक्षा कारणों से विद्युत सप्लाई बंद कर दी थी, जिसके बाद से अब तक बिजली चालू नहीं की गई है। इस वजह से लगभग 15 किसानों के विद्युत पंप बंद पड़े हैं और वे अपने खेतों में पलेवा नहीं कर पा रहे हैं।

किसानों ने कई बार जेई कार्यालय बैतूल बाजार में पहुंचकर लिखित शिकायत की और जल्द सप्लाई चालू करने की मांग की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। अब रबी सीजन की शुरुआत के साथ गेहूं की बुवाई का समय आ गया है, परंतु बिजली न होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों ने बताया कि उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई है, परंतु कंपनी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों का कहना है कि छह माह बीत जाने के बाद भी यदि कंपनी बिजली सप्लाई चालू नहीं कर सका, तो आगे उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है। कंपनी की यह लापरवाही किसानों की फसलों और भविष्य दोनों को अंधकारमय बना रही है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 05 नवंबर 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

नाबालिग से गैंगरेप मामले में लालबर्रा में उबाल,

पुलिस ने आरोपियों का निकाला पैदल जुलूस, ग्रामीणों ने मांगी फांसी की सजा

मासूम का जिस्म नोचने वाले भेड़िये पहुंचे जेल

बालाघाट जिले के लालबर्रा क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग से गैंगरेप की जघन्य वारदात ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। आरोपियों के खिलाफ लोगों का गुस्सा उफान पर है। पुलिस ने जहां दो नाबालिग आरोपियों को किशोर न्यायालय में पेश किया, वहीं दो बालिग आरोपियों का सार्वजनिक रूप से जुलूस निकालकर गिरफ्तार किया। इस दौरान सैकड़ों ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर आरोपियों को फांसी देने और बुलडोजर कार्रवाई की मांग की।

निकला जुलूस : मासूम से दुष्कर्म करने वाले बेहसी दरिंदो का जुलूस निकालती पुलिस।

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के लालबर्रा थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) की शर्मनाक घटना सामने आई है। यह घटना 26 अक्टूबर 2025 को हुई, जब ग्राम में मंडई मेले का आयोजन चल रहा था। मेले की भीड़ के बीच चार युवकों ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर सुनसान जगह ले जाकर उसका यौन शोषण किया। पीड़िता ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपियों में दो नाबालिग और दो बालिग, दानिश पिता सलीम खान और अय्यूब पिता गफ्फार कुरैशी शामिल थे। आरोपियों ने पीड़िता का अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी और रुपये की मांग की। उसे धमकी दी गई कि शिकायत करने पर पीड़िता और उसके परिवार को जान से मार दिया जाएगा। डरी-सहमी पीड़िता ने पहले किसी को कुछ नहीं बताया, लेकिन 1 नवंबर 2025 को अपने परिजनों के साथ लालबर्रा थाना पहुंचकर घटना की जानकारी पुलिस को दी।

दानिश खान, आरोपी।

गांव में उबाल, ग्रामीण बोले- आरोपियों को फांसी हो

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। 2 नवंबर को सैकड़ों ग्रामवासी, पीड़िता के परिजन और सर्व समाज के लोग लालबर्रा थाने पहुंचे। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और न्याय की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ केवल बलात्कार का मामला ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (हृस्न) के तहत भी कार्रवाई की जाए। लोगों ने बुलडोजर कार्रवाई और फांसी की मांग भी की।

अय्युब कुरैशी, आरोपी।

आरोपी अपराधी प्रवृत्ति के, पहले से दर्ज हैं मामले

सूत्रों के मुताबिक, चारों आरोपी ग्राम अमोली थाना लालबर्रा क्षेत्र के रहने वाले हैं। इनमें से एक आरोपी का बड़ा भाई पंच है, जिसने शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान बनाया। इस व्यक्ति पर 15 दिन पहले महिलाओं के साथ गाली-गलौज और मारपीट का मामला भी दर्ज हुआ था। अय्यूब पर 2018 से पहले कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आरोपियों की प्रवृत्ति असामाजिक और अपराधी मानी जाती है।

पुलिस ने निकाला आरोपियों का जुलूस

पुलिस ने चारों आरोपियों पर सामूहिक दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और धमकी की धाराओं में मामला दर्ज किया। 3 नवंबर को दो नाबालिग आरोपियों को किशोर न्यायालय में पेश किया गया, जबकि दो बालिगों, दानिश और अय्यूब को सार्वजनिक रूप से बैल बाजार पावर हाउस से सिवनी रोड होते हुए पैदल जुलूस निकालकर थाने लाया गया। दोनों आरोपियों को पुलिस न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

कुछ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने आरोपियों को बचाने का किया प्रयास

इस घटना क्रम ने लालबर्रा को झकझोर दिया जहाँ एक मासूम से दरिंदगी कर उसे ब्लेकमैल किया गया। वही कुछ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने इस मामले को दबाने और आरोपियों को बचाने का प्रयास कर पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने अपनी सूझबूझ से पुरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई कर मासूम का जिस्म नोचने वाले दरिंदो को उनके असली स्थान में पहुंचा कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया।

लक्ष्मण तुमसरे को पंचायत कि शिकायत करना पड़ा महंगा

घर के सामने खोदा जानलेवा गड्ढा- प्रशासन पर ना-इंसाफी का आरोप

मामला ग्राम पंचायत बम्हनी का गड्ढे में जलभराव के चलते मार रहा बदबू-दिखा रहा स्वच्छता अभियान को ठेंगा

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट जिले की लालबर्रा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हनी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ ग्राम के जागरूक नागरिक लक्ष्मण तुमसरे को कथित तौर पर भ्रष्टाचार की शिकायत करने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। तुमसरे का आरोप है कि पुलिस,राजस्व और पंचायत विभाग ने दुर्भावनापूर्वक उनके घर के सामने एक जानलेवा 15 फिट का गहरा गड्ढा खोद दिया है, जिसमें गांव का गंदा पानी जमा हो रहा है और भयंकर बदबू मार रहा है जिस वजह से रहना दुभर हो गया है तथा बदबूदार पानी से घर के लोग बीमार भी पड़ रहे हैं।

शिकायत कर्ता के घर के सामने खोदा गया गड्ढा।

बसंत चौरे, सचिव : स्वच्छता अभियान मेरे ठेंगे पर !

लक्ष्मण तुमसरे शिकायतकर्ता

यह है पूरा मामला

गरीब और जागरूक नागरिक लक्ष्मण तुमसरे ने तत्कालीन और वर्तमान सरपंच-सचिव द्वारा सीसी (कांक्रीट) नाली निर्माण में बरती गई अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायत कलेक्टर जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन 181 के माध्यम से की थी। शिकायत के बाद, प्रशासन पर लक्ष्मण तुमसरे की आवाज को दबाने और दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लग रहा है। मीडिया ने जब ग्राम पंचायत बम्हनी पहुंचकर मामले की सच्चाई जानने का प्रयास किया,तो पाया कि वास्तव में प्रशासन द्वारा तुमसरे के साथ ना-इंसाफी की गई है।

स्वच्छता अभियान को ठेंगा

शिकायतकर्ता लक्ष्मण तुमसरे की आवाज दबाने की मंशा से उनके घर के सामने एक जानलेवा गहरा गड्ढा खोद दिया गया है। इस गड्ढे में गांव का गंदा पानी एकत्रित हो रहा है,जिससे चारों ओर सड़न और भयंकर बदबू फैल रही है। बदबू और गंदगी के बीच तुमसरे का परिवार कैसे निवास कर रहा है,यह सोचने का विषय है। यह कार्रवाई एक ओर सरकार के स्वच्छता अभियान को खुले तौर पर ठेंगा दिखाती है,वहीं दूसरी ओर लालबर्रा प्रशासन की ओछी मानसिकता को उजागर करती है।

बहिष्कृत भी किया गया

इतना ही नहीं,लक्ष्मण तुमसरे का परिवार कथित तौर पर 22 माह से भी अधिक समय से ग्राम के सर्व समाज से भी बहिष्कृत कर दिया गया है। तथा यह बहिष्कृत वाली कार्यवाही गांव के ही बीस सदस्यों के द्वारा गांव के सीधे साधे लोगों को विश्वास में लेकर कि गई है तब से लेकर आज तक गांव के किसी भी सामाजिक व अन्य किसी भी कार्यक्रम में इन्हें शामिल नहीं किया जा रहा है ऐसा आरोप लक्ष्मण तुमसरे का है यह दिखाता है कि प्रशासन और सर्व समाज के दबाव में गरीब तुमसरे की मुश्किलें कितनी बढ़ गई हैं।

कलेक्टर साहब से ही आस

इस पूरे मामले में लालबर्रा प्रशासन पर राजनीतिक दबाव में काम करने और गरीब लक्ष्मण तुमसरे की आवाज दबाने का प्रयास करने का आरोप है। पीड़ित परिवार कि मांग है की जिला प्रशासन को मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। कलेक्टर महोदय, स्वयं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की तरह अपने हाथों में कमान संभालें और बम्हनी पहुंचकर मामले की जांच करें, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। शिकायतकर्ता की आवाज दबाने की मंशा से खोदे गए जानलेवा गड्ढे को तुरंत भरा जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। गरीब लक्ष्मण तुमसरे अब केवल कलेक्टर महोदय से ही न्याय की आश लगाए बैठे हैं।

लालबर्रा-बालाघाट हाईवे पर चौपहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

लालबर्रा-बालाघाट हाईवे रोड़ पर डोकरबंदी और बिरसोला के बीच सोमवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार चौपहिया वाहन ने मोटरसाइकिल सवार को सामने से टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, पंढरापानी निवासी 19 वर्षीय सोहनसिंह टेकाम सोमवार की शाम लगभग 5 बजे अपनी मोटरसाइकिल (बाइक) से अपनी बहन को लेने कोसमटोला (निलजी) की ओर जा रहा था। इसी दौरान, लालबर्रा की ओर से बालाघाट की तरफ जा रहे एक चौपहिया वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सोहनसिंह की मोटरसाइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल और चौपहिया वाहन दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में बाइक सवार सोहनसिंह टेकाम गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, चौपहिया वाहन में सवार चार लोगों को भी मामूली चोटें आने की सूचना है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल सोहनसिंह को तुरंत लालबर्रा अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से शव बरामद कर लिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के संबंध में आगे की जांच शुरू कर दी है।

ताराबाई खोहरे को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

बालाघाट। बालाघाट निवासी श्री रनवत सिंह खोहरे की 23 मार्च 2025 को वैनगंगा नदी के छोटे पुल में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारिस पत्नी ताराबाई खोहरे को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर ताराबाई खोहरे के खाते में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

बालाघाट वृत्त में विद्युत विभाग की बैठक हुई आयोजित

विद्युत आपूर्ति एवं रख-रखाव जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर हुई चर्चा

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

अधीक्षण अभियंता बालाघाट वृत्त श्री अमित कुमार द्वारा 03 नवम्बर को बालाघाट एवं वारासिवनी संभाग के अधिकारियों और कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विद्युत आपूर्ति और रख-रखाव से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में फिडर सेपरेशन आर.डी.डी.एस. योजना- इस योजना के तहत विद्युत आपूर्ति को और अधिक सुचारु बनाने के लिए चर्चा की गई, साथ ही विद्युत लाइनों का रख-रखाव और सुरक्षा सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत कनेक्शन बढ़ाने और सोलर पंप रजिस्ट्रेशन के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में एटीएनसी लॉस 20 प्रतिशत से कम करने के निर्देश दिए गए और 20 प्रतिशत से अधिक एटीएनसी लॉस वाले वितरण केंद्र प्रभारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सभी फीडरों पर भार स्थानांतरित कर कार्य योजना वर्ष 2025-26 के कार्यों की समीक्षा कर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व पैरामीटर, राजस्व संग्रहण, सी.एम. हेल्पलाइन शिकायत और 1912 की शिकायतों की भी समीक्षा की गई।

कन्या शिक्षा परिसर की 2 बालिकाओ का मध्यप्रदेश की जूनियर वॉलीबॉल टीम में हुआ चयन

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की 02 बालिकाओ का मध्यप्रदेश की जूनियर वॉलीबॉल टीम में चयन किया गया है। संस्था में कार्यरत पीटीआई कमल किशोर तेलासे ने बताया कि खेल कैलेंडर के अनुसार राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन रीवा में किया गया था। इस प्रतियोगिता में कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की 04 बालिकाएं सम्मिलित हुई थी। जिसमें आयशा मेरावी और मोनिका मरकाम का चयन राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता बरैली उत्तरप्रदेश के लिए किया गया है। अब यह दोनों बालिकाएं मध्यप्रदेश की टीम से खेलेंगी, यह विद्यालय और जिले के लिए गौरव की बात है कि एक स्कूल से 2 बच्चों का चयन राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। पीटीआई तेलासे ने बताया कि यह दोनो बालिकाएं 04 नवम्बर को प्री नेशनल कैम्प के लिए रवाना हो गई है। कैम्प रीवा में 4 से 8 नवम्बर तक आयोजित होगा। कैम्प के पश्चात टीम बरेली उत्तरप्रदेश के लिए रवाना होगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 11 नवम्बर से 15 नवंबर बरेली में आयोजित होगी दोनों। श्री तेलासे ने बताया है कि यह दोनो बालिकाएं बैहर के ग्रामीण अंचल से आकर कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट में अध्ययन कर रही हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, संस्था के प्राचार्य श्री पीके अंगूरे, जिला खेल प्रभारी डीके मेश्राम, श्री आर एस कुशराम कोच एथलेटिक्स जिला संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारें, कराटे प्रशिक्षण प्रशिक्षक साजिद कृष्णन कुट्टी, आकाशवाणी उद्घोशक श्री अजय ठाकुर, श्री शैलेंद्र यादव, समस्त पीटीआई एवं संस्था के समस्त स्टाफ ने दोनो बालिकाओ को राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं।

90 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

राष्ट्रबाण बालाघाट | डेस्क rashtrabaan.in

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 04 नवम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, एसडीएम श्री गोपाल सोनी व डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव, श्रीस प्यासी ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 90 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे। जनसुनवाई में बिरसा तहसील के ग्राम रेहंगी के निवासी भैयालाल फुंदे एवं धुरनबाई फुंदे शिकायत लेकर आए थे कि उनके खाते से बगैर उनके अनुमति के 02 लाख 69 हजार 157 रुपए की राशि निकाली गई है। भैयालाल ने बताया कि उसका और उसकी पत्नी धुरनबाई का भारतीय स्टेट बैंक मोहगांव में बचत खाता है तथा उन दोनो के खाते से 01 लाख 40 हजार एवं 01 लाख 29 हजार 157 की राशि बगैर उनके अनुमति के कियोस्क संचालक गौरव मिश्रा द्वारा निकाली गई है। इसी प्रकार की शिकायत रेहंगी की ही ईमलाबाई परते के खाते से 52 हजार रुपए, कैमताबाई कांत के खाते से 26 हजार रुपए तथा ग्राम पौनी के भीमा राउत के खाते से 20 हजार रुपए की राशि बगैर उनके अनुमति के निकाली गई है। अतः कियोस्क संचालक गौरव मिश्रा पर कार्यवाही करते हुए हितग्राहियों को उनकी राशि वापस दिलायी जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम दिघोरी निवासी दुर्गाप्रसाद ठकरेले उसे ओक्ट्रियोटाईड लॉग एक्टिंग रिलिज इंजेक्शन 20 एमजी, नेटोकेटालार 20 एमजी उपलब्ध कराने की मांग लेकर आए थे। दुर्गाप्रसाद ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित है एवं उसका ऑपरेशन रायपुर एम्स में हो चुका है। दुर्गाप्रसाद को प्रतिमाह यह इंजेक्शन लगाना होता है, जिसकी कीमत 32 हजार रुपए है। दुर्गाप्रसाद की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है जिसके चलते दुर्गाप्रसाद का परिवार इतना महंगा इंजेक्शन खरीदने में सक्षम नही है। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील के ग्राम पाथरी निवासी गुलशन पारधी स्वयं के लिए रोजगार की मांग लेकर आए थे। गुलशन ने बताया कि वह शारीरिक रूप से विकलांग है, जिस कारण उसे कहीं भी कोई काम उपलब्ध नही करा रहा है। गुलशन ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि उसे किसी शासकीय कार्यालय में आवश्यकता अनुसार कोई भी काम उपलब्ध कराया जाए। इस प्रकरण में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को गुलशन के प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। जनसुनवाई में परसवाड़ा तहसील के ग्राम झिरिया की छात्रा मुस्कान मरकाम अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास बालाघाट में प्रवेश दिलाने की मांग लेकर आयी थीं।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 5 नवंबर 2025

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सीईओ का 'ट्रोजन हॉर्स' : चालाक ने 'साहब' के नाम पर मचाया पीठ पीछे वसूली का तांडव'! क्या नवागत 'मेमसाहब' लगाएंगी इस 'खेल' पर लगाम?

मदारी बना जिला पंचायत का चालक!

राजिक खान पर किसकी बस रही जान?

सिवनी| आकाश चौकसे
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

वैसे तो जिला पंचायत सिवनी को भ्रष्टाचार का गढ़ माना जाता है जहाँ जिले भर के सरपंच सचिवों की शिकायत समझौता करने और उन्हें क्लीन चिट दिलाने का दम यह के ईमानदार अफसर का चालक करता है। जिला पंचायत सिवनी का आलम यह है की मामूली वाहन चालक के जलवे देख अफसर भी पानी-पानी हो जाये।

बता दें की तत्कालीन सीईओ नवजीवन पवार के चालक राजिक खान के कथित वसूली के मामलों की जांच ही एक अलग चुनौती है, चुनौती यह है कि नई सीईओ अंजली शाह के लिए यह देखना कि क्या वह इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगी या फिर 'पुराने तरीके' जारी रहेंगे। यह खबर राजिक खान द्वारा कथित तौर पर किए गए अवैध वसूली के कृत्यों और नई सीईओ के सामने उत्पन्न हुई चुनौती पर केंद्रित है। इस पर नई सीईओ का क्या रुख रहता है, यह देखने लायक होगा।

राजिक खान केवल चालक नहीं, विभाग का 'वसूली किंग' का नया अवतार माना जाता है। जिला पंचायत के गलियारों में सन्नाटा है। लेकिन गुमटियों तक में एक नाम आग की तरह फैल चुका है राजिक खान! यह सिर्फ एक मामूली चालक नहीं है। बल्कि पूर्व सीईओ नवजीवन पवार के दरबार का वह 'ट्रोजन हॉर्स' भी था। जिसने नवजीवन पवार के तेज तर्रार कार्यप्रणाली के चलते सीईओ के अधीन कर्मचारी पर सीईओ साहेब का दम देकर और अपने विश्वास में अधिकारी कर्मचारी को लेकर सब के काम के नाम से वसूली करता और फिर सब का विश्वास जीतकर दिन प्रतिदिन यही खेल को अपना हथियार बना लिया।

सूत्र बताते हैं कि राजिक ने 'साहब के नाम पर' धाक जमाकर, वसूली का एक ऐसा समांतर साम्राज्य खड़ा कर दिया था, जिसकी गूंज अब जिले के हर चौक चौराहा तक सुनाई दे सकती है।

नवागत सीईओ अंजली शाह : 'ऑपरेशन क्लीन' या 'मामला रफा-दफा'?

अब सभी की निगाहें नई और सरल सीईओ अंजली शाह पर टिकी हैं! यह मामला सिर्फ एक 'चालाक' पर कार्रवाई का नहीं, बल्कि जिला पंचायत की अंदरूनी सड़ांध को बाहर निकालने का है। शहर फुसफुसा रहा है कि क्या अंजली शाह इतना साहस दिखाएंगी कि राजिक खान जैसे 'पर्दे के पीछे के खिलाड़ियों' का विकेट गिराएगी? या फिर, रसूखदारों का दबाव काम आएगा, और यह पूर्व के कांड भी पुराने ठंडे बस्ते में दफन होकर रह जाएगा?

जल्द सामने आएगी सच्चाई

वसूली किंग राजिक खान के कारनामों पर पर्दा उठता है या सच्चाई का सूरज चमकता है। यह जिला पंचायत के इस हाई-वोल्टेज ड्रामा का क्लाइमेक्स जल्द ही सामने आएगा! प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला जिला पंचायत सीईओ अंजली शाह से संबंधित है, जिनके सामने उनके पूर्ववर्ती सीईओ नवजीवन पवार के चालक राजिक खान के कथित वसूली के मामलों की जानकारी सार्वजानिक हो चुकी है। अब उनके लिए जांच एक अलग चुनौती है।

पुराने बाजार स्थित हार्डवेयर गोदाम में लगी आग,

लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

नगर के पुराने बाजार स्थित एक हार्डवेयर दुकान के गोदाम में देर रात अचानक आग लग गई जो देखते देखते विकराल रूप धारण कर ली। इस घटना में गोदाम के अंदर रखा लाखों रुपये का हार्डवेयर सामान जलकर राख हो गया, जिससे व्यापारी को भारी नुकसान हुआ। वहीं स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया, साथ ही गनीमत यह रही कि आग लगने की घटना को समय रहते आस-पडोस के लोगों ने देख लिया, जिससे स्थानीय निवासियों ने तुरंत सजगता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग तेजी से फैल रही थी, जिस पर काबू पाने के लिए स्थानीय लोगों ने अपने घरों से पाइपलाइन की सहायता ली। उनकी त्वरित कोशिश और सूझबूझ के चलते आग को नगर परिषद के दमकल वाहन के पहुंचने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया। वहीं जानकारी मिलते ही मौके पर नगर निरिक्षक खेमेंद्र कुमार ने भी पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी गई।

बताया जा रहा है कि उक्त गोदाम नगर के पुराने बाजार स्थित व्यवसायी कासिम अली हार्डवेयर व्यापारी के यहां अज्ञात कारणों से आग लगी जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने तत्काल कासिम अली को दी। नगर परिषद छपारा का अग्निशमन वाहन सूचना पर मौके पर पहुंचा, किंतु तब तक आग पर काफी हद तक काबू पाया जा चुका था, इसलिए उसे वापस लौटना पड़ा। हालांकि, आग पर काबू पाने में हुई कुछ देरी के कारण गोदाम के अंदर रखी हुई सभी सामग्रियों जलकर खाक हो गई वहीं व्यापारी के अनुसार लाखों रुपये का बड़ा नुकसान हो गया है।

थाना प्रभारी खेमेन्द्र जेतवार का कहना है कि सूचना मिली थी कि अज्ञात कारणों के चलते एक गोदाम में आग लग गई है, मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया गया। राजस्व अमला जांच कर रहा है कि कितने का नुकसान हुआ है। फिलहाल यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि किन कारणों से आग लगी।

दो बाइकों की आपस में भिंडन्त 2 घायल

पनारझिर के पास की घटना

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पनारझिर के समीप एक सड़क हादसा हो गया। जहां 2 बाइको की आपस मे भिंडन्त हो गई इस हादसे में बाइक सवार जमीन पर गिरकर गंभीर घायल हो गए, जिन्हें हाथ पैर, सिर तथा शरीर के अन्य अंगों में चोटे आई है।

जानकारी के अनुसार एक बाइक पिता और और बेटी धोबी ग्राम से रजवाड़ी ग्राम जा रहे थे और दूसरा बाइक सवार गोरखपुर तरफ से घंसौर आ रहा था ,जब वह पनारझिर ग्राम के पास पहुंचे तो दोनों बाइको की आपस में टक्कर हो गई। जिसके कारण नरेश पिता रणवीर इनवाती 28, रागनी इनवाती पिता नरेश इनवाती उम्र 8 साल, विनोद पिता संतन लाल मरावी 30 घायल हो गए। घटना की जानकारी प्रत्यक्ष दर्शियों ने पुलिस और एम्बुलेंस में दी जिसके बाद एम्बुलेंस में स्थानीय लोगो को मदद से घायलो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद विनोद कि स्थिति को देखते हुयव डॉक्टर ने उन्हें मेडिकल कालेज जबलपुर रेफर कर दिया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घटनाक्रम की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हादसा कैसे हुआ। घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झारिया का कहना है कि सूचना मिली थी कि बाइक हादसे में 2 घायल हुए हैं, फिलहाल जांच की जा रही है। पुलिस लगातार लोगो से अपील कर रही है कि सावधानी पूर्वक वाहन चलाएं इसके बाद भी लोग लापरवाही बरत रहे हैं और हादसे का शिकार हो रहे हैं।

जनगणना 2027 के पूर्व परीक्षण हेतु प्रशिक्षण 5 से 7 नवम्बर तक

सिवनी। भारत सरकार द्वारा जारी जनगणना 2027 (मकान सूचीकरण) के पूर्व परीक्षण हेतु जारी अधिसूचना दिनांक 16/10/2025 एवं मध्य प्रदेश राजपत्र में प्रकाशित (असाधारण) द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक 294 दिनांक 27/10/2025 के अनुसार जनगणना तहसील कुरई जिला सिवनी क्षेत्रांतर्गत जनगणना 2027 की पूर्व परीक्षण (मकान सूचीकरण) का कार्य चयनित 71 ग्रामों में किया जाना है।

कलेक्टर ने किया सिविल अस्पताल बरघाट का आकस्मिक निरीक्षण

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सोमवार को बरघाट स्थित सिविल अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई, प्रसूति कक्ष, वार्डो की स्थिति एवं मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया।

कलेक्टर ने गत माह में हुई प्रसूतियों के रिकार्ड संधारण का अवलोकन करते हुए केसवार चर्चा की। इस दौरान विभिन्न प्रकरणों में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा उचित मार्गदर्शन न दिए जाने के मामले पाए जाने पर उन्होंने संबंधित 4 एएनएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेफर की जाने वाली गर्भवती महिलाओं सहित अन्य मरीजों से भी सम्पर्क बनाए रखते हुए, रेफर संस्थान तक उनकी पूरी जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नव माताओं से भेंट कर उनकी कुशलक्षेम जानी तथा बच्चों के टीकाकरण एवं माताओं के खान-पान से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नव माताओं को बच्चों को तय समय पर टीका लगवाने हेतु प्रेरित किया तथा स्वस्थ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए नियमित जांच करवाने की सलाह दी। इस अवसर पर एसडीएम श्री संदीप श्रीवास्तव, बीएमओ बरघाट सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया डबल लॉक केंद्र बरघाट का आकस्मिक निरीक्षण

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने आज बरघाट स्थित डबल लॉक केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में भंडारित उर्वरकों की मात्रा एवं वितरण की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों से बरघाट क्षेत्र में रबी मौसम में बोई जाने वाली प्रमुख फसलों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक उर्वरकों के पूर्व भंडारण के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को समय पर एवं सुगमता से उर्वरक वितरण सुनिश्चित करने हेतु मार्कफेड तथा कृषि विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

तालाब में मिला युवक का शव, बरघाट पुलिस जांच में जुटि

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी जिले के बरघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले तालाब में एक व्यक्ति का शव मिला है। जानकारी के अनुसार आज सुबह कुछ लोग बरघाट ग्राम के पास बने तालाब तरफ गए हुए थे जिन्हें एक व्यक्ति का शव तालाब के पानी मे दिखाई दिया। इस बात की जानकारी लोगो ने पुलिस को दी, सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कुएं से बाहर निकलवाया और पंचनामा कार्यवाही करके शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान मंगेश पिता फूलचंद चौधरी उम्र 25 साल निवासी जेवनारा के रूप में हुई है। घटनाक्रम की पुलिस जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक की हत्या हुई है या उसने आत्महत्या की है। साथ ही मृतक के संबंध में अन्य जानकारी भी जुटाई जा रही है। बरघाट थाना प्रभारी मोहनीश बेस का कहना है कि सूचना मिली थी कि बरघाट ग्राम के समीप तालाब में एक व्यक्ति का शव है। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त हुए 169 आवेदन

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

आयोजित जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर सीएल चनाप, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खण्डायत एवं सहित अन्य विभागों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे। इसी तरह सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अन्य विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा आमजन से प्राप्त विभिन्न शिकायतों एवं आवेदनों की गंभीरता से सुनवाई की गई तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि प्रत्येक प्रकरण का समाधान समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए ताकि आम नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके।

जिलास्तरीय जनसुनवाई में तहसील सिवनी अंतर्गत ग्राम घाट पिपरिया थाना बंडोल निवासी महेन्द्र मसराम द्वारा टी.टी.ऑपरेशन के बाद मिलने वाली शासन की योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, तहसील केवलारी अंतर्गत ग्राम चंदनखेडा निवासी साधुराम उइके द्वारा भूमि का सीमांकन कराये जाने विषयक, ग्राम डुंगरिया बादलपार निवासी अतरलाल वर्मा द्वारा विकलांग पेंशन दिलाये जाने विषयक, तहसील लखनादौन अंतर्गत ग्राम रहलोन निवासी बुद्धूलाल उइके द्वारा मक्के का फसल क्षतिपूर्ति राशि दिलाये जाने विषयक, ग्राम बम्होडी लखनादौन निवासी श्याम पिता बाबूलाल द्वारा राजस्व रिकार्ड दुरूस्त कराये जाने विषयक, ग्राम चंदौरीकला सिवनी निवासी रमाकांत सिंह ठाकुर द्वारा स्वामित्व योजना अंतर्गत ड्रोन सर्वेक्षण में सुधार कराये जाने विषयक, ग्राम मसापापार थाना बंडोल निवासी सुतंत्रा पति भोला बसोड द्वारा आर्थिक सहायता राशि दिलाये जाने विषयक, ग्राम नरेला सिवनी निवासी वर्षा यादव द्वारा गरीबी रेखा का कार्ड बनाये जाने विषयक, भैरोगंज सिवनी निवासी रमनलाल यादव द्वारा प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, ग्राम नरेला निवासी दिलराज यादव द्वारा मकान का पट्टा दिलाये जाने विषयक, तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम पांडरवानी निवासी डीलनसिंह ठाकुर द्वारा नक्शा सुधार कराये जाने विषयक, वार्ड नंबर 4 बरघाट निवासी भूपेंद्र शर्मा द्वारा नगर परिषद बरघाट अंतर्गत रोड में डिवाईडर बनाये जाने विषयक, ग्राम सेलुआ तहसील लखनादौन निवासी टुकडू खॉ द्वारा ग्राम सेलुआ से बलपुरा मार्ग सुधार कार्य कराये जाने विषयक, बंडोल निवासी मंगल प्रसाद द्वारा समग्र परिवार कार्ड में नाम जोडे जाने विषयक, तहसील छपारा अंतर्गत ग्राम बिहिरिया निवासी नसीमाबी द्वारा समग्र आई डी में नाम जोडे जाने विषयक सहित अन्य आवेदन प्रस्तुत किए गए।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग

संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध

संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433